R.N.I. : UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 15
अंक : 105
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
मंगलवार, 23 दिसम्बर, 2025

जुनून है सच लिखने का

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

डाक पंजीयन संख्या : एल-2/9/रजि0/ए0डी0/119/15-17

प्रयागराज, लखनऊ, ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं प्रतापगढ़, कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी, आजमगढ़ व गोरखपुर से प्रसारित

3 सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ हिंदू सम्मेलन सम्पन्न
5 एंटी रोमियो टीम द्वारा महिलाओं को किया गया जागरूक
7 प्रियंका चोपड़ा ने निक जोनास को चखाया ...

1984 सिख विरोधी दंगा मामला : सज्जन कुमार के मामले में कोर्ट का फैसला सुरक्षित, 22 जनवरी को आएगा निर्णय

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। राउज़ एवेन्यू कोर्ट ने सोमवार को पूर्व कांग्रेस सांसद सज्जन कुमार के खिलाफ 1984 के सिख दंगों के एक मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया। यह मामला जनकपुरी और विकासपुरी पुलिस स्टेशनों में दर्ज एफआईआर से जुड़ा है। अदालत ने इस मामले पर फैसला सुनाने के लिए 22 जनवरी की तारीख तय की है। सज्जन कुमार को 2023 में हत्या के आरोपों से बरी कर दिया गया था।

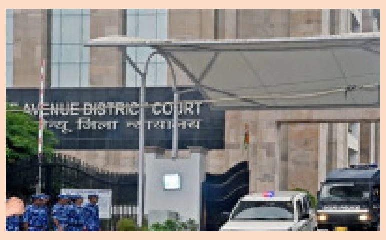

जनकपुरी मामला 1 नवंबर, 1984 को दो सिखों, सोहन सिंह और उनके दामाद अवतार सिंह की हत्या से संबंधित है। दूसरा मामला 2 नवंबर, 1984 को गुरचरण सिंह को जलाने से संबंधित है, जो विकासपुरी पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया था।

विशेष न्यायाधीश दिग विनय सिंह ने आरोपी सज्जन कुमार के वकील और अतिरिक्त लोक अभियोजक की अंतिम दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया। अतिरिक्त लोक अभियोजक (एपीपी) मनीष रावत अभियोजन पक्ष की ओर से पेश हुए। अधिवक्ता अनिल कुमार शर्मा, अपूर्व शर्मा और एस ए हाश्मी सज्जन कुमार की ओर से पेश हुए। अधिवक्ता सुरप्रीत कौर दंगा पीड़ितों की ओर से पेश हुईं। 7 जुलाई को अपना बयान दर्ज कराते समय पूर्व कांग्रेस सांसद सज्जन कुमार ने 1984 के सिख विरोधी दंगों के मामले में अपने ऊपर लगे आरोपों से इनकार किया। उन्होंने अदालत के समक्ष कहा कि वे दंगों के स्थल पर मौजूद नहीं थे और उन्हें झूठा फंसाया गया है।

अदालत ने 23 अगस्त, 2023 को सज्जन कुमार को हत्या के आरोप से बरी कर दिया था। न्यायालय ने सज्जन कुमार के खिलाफ आईपीसी की धारा 147 (दंगा करने का दंड), 148 (घातक हथियार से लैस होकर दंगा करना), 149 (गैरकानूनी सभा के किसी सदस्य द्वारा उस सभा के सामान्य उद्देश्य की पूर्ति में किया गया अपराध), 153 (विभिन्न समूहों के बीच शत्रुता को बढ़ावा देना), 295 (किसी वर्ग के धर्म का अपमान करने के इरादे से पूजा स्थल को चोट पहुंचाना या अपवित्र करना), 307 (हत्या का प्रयास), 308 (गैर इरादतन हत्या का प्रयास), 323 (स्वेच्छा से चोट पहुंचाने के लिए दंड), 395 (डकैती का दंड) और 426 (उपद्रव का दंड) आदि के तहत आरोप तय किए थे।

पश्चिम बंगाल के हावड़ा में घर में आग लगने से परिवार के चार सदस्यों की मौत

कोलकाता **(एजेंसी)**। पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले में एक घर में आग लगने से एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई। अधिकारियों ने सोमवार सुबह यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना जॉयपुर थाना क्षेत्र के सौरिया गांव में रविवार और सोमवार की दरमियानी रात को घटी।

मृतकों की पहचान दुर्योधन दोलुई (72), उनके बेटे दूधकुमार दोलुई (45), बहू शिबानी दोलुई (40) और पोती शम्पा दोलुई (15) के रूप में हुई है। अधिकारियों ने कहा कि यह पता लगाने के लिए जांच की जा रही है कि कच्चे घर में आग कैसे लगी।

दमकल के दो वाहनों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। उन्होंने बताया कि शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए उलुबेरिया के एक सरकारी अस्पताल में भेज दिया गया है। अधिकारियों के अनुसार, यह परिवार बेहद गरीब था। दूधकुमार का एक बेटा भी है, जो राज्य के बाहर प्रवासी मजदूर के रूप में काम करता है।

एयर इंडिया के बोइंग 777 में तकनीकी खराबी, चालक दल की सूझबूझ से बड़ा हादसा टला, जांच के आदेश

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। मुंबई जा रहे एयर इंडिया के बोइंग 777 विमान का दायां इंजन उड़ान भरने के एक घंटे से भी कम समय में बंद हो जाने के बाद, आज सुबह उसे दिल्ली में आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एयर इंडिया से घटना के बारे में विस्तृत जानकारी मांगी है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) द्वारा जांच शुरू की जाएगी। लगभग 335 लोगों को ले जा रहा यह विमान दिल्ली लौटने से पहले लगभग एक घंटे तक हवा में रहा। सूत्रों के अनुसार, विमान ने आपातकालीन लैंडिंग की।

एयर इंडिया ने एक बयान में कहा कि 22 दिसंबर को दिल्ली से मुंबई जाने वाली फ्लाइट एआई887 के चालक दल ने मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार तकनीकी खराबी के चलते उड़ान भरने के तुरंत बाद दिल्ली लौटने का फैसला किया। एयर इंडिया ने बताया कि विमान दिल्ली में सुरक्षित उतर गया और यात्री एवं चालक दल के सदस्य उतर चुके हैं। एयरलाइन ने इस अप्रत्याशित स्थिति के कारण हुई असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया।

मंत्रालय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि मंत्रालय ने एयर इंडिया से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है और डीजीसीए को गहन जांच करने का निर्देश दिया गया है। एयरलाइन को यात्रियों को हर संभव सहायता प्रदान करने और उन्हें अगली उड़ानों में समायोजित करने का निर्देश दिया गया है। डीजीसीए के एक अधिकारी ने बताया कि विमान को उड़ान भरने के बाद फ्लैप समेटते समय, चालक दल ने दाहिने इंजन (इंजन नंबर 2) में तेल का दबाव कम पाया, जिसके चलते विमान को वापस लौटना पड़ा।

अधिकारी ने आगे कहा, 'कुछ ही समय बाद, इंजन का तेल दबाव शून्य हो गया। प्रक्रिया का पालन करते हुए चालक दल ने इंजन नंबर 2 को बंद कर दिया और विमान दिल्ली में सुरक्षित उतर गया। निरीक्षण/सुधार कार्य जारी है। डीजीसीए के वायु सुरक्षा निदेशक (एनआर) की देखरेख में एयरलाइन के स्थायी जांच बोर्ड द्वारा घटना की जांच की जाएगी।'

विधानसभा में कोडीन कफ सिरप को लेकर सपा का हंगामा
सरकार ने कहा- यूपी में एक भी बच्चे की मौत नहीं हुई

लखनऊ **(एजेंसी)**। उत्तर प्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन सोमवार को समाजवादी पार्टी (सपा) के सदस्यों ने कोडीन कफ़ सिरप के कथित अवैध कारोबार को लेकर हंगामा किया और अध्यक्ष के आसन के सामने आकर सरकार विरोधी नारे लगाए। वर्ष 2025 के तृतीय सत्र (शीतकालीन) की शुरुआत शुक्रवार को हुई और उस दिन सपा के दिवंगत सदस्य सुधाकर सिंह को श्रद्धांजलि देने के बाद सदन की बैठक सोमवार 11 बजे तक के लिए अध्यक्ष सतीश महाना ने स्थगित कर दी थी।

सोमवार को कोडीन के मुद्दे पर चर्चा कराये जाने की मांग करते हुए विपक्षी सदस्यों ने आरोप लगाया कि इस कफ सिरप से सैकड़ों बच्चों की जान गई है। संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने इससे इंकार करते हुए दावा किया कि उप्र में इससे एक भी मौत नहीं हुई है। विधानसभा सत्र की शुरुआत में प्रश्नकाल के समय नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने इस मुद्दे को उठाते हुए कहा ''कोडीन का मामला पूरे प्रदेश में जाल की तरह फैला है और यह बहुत दिनों से चल रहा है, डब्लूएचओ ने भी इसका संज्ञान लिया है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि इसके सेवन से सैकड़ों बच्चों की जान गई है और हजारों करोड़ रुपये का धंधा भी हुआ है।

पांडेय ने कहा ''इसकी जानकारी सरकार को पहले हो जानी चाहिए थी। सरकार के पास इंटेलिजेंस है, सरकार के पास खुफिया एजेंसियां हैं, इनको पहले इसकी जानकारी हो जाती और उस हिसाब से कार्रवाई की गई होती तो सैकड़ों बच्चों की जान को बचाया जा सकता था।'' नेता प्रतिपक्ष ने कहा ''आरोप प्रत्यारोप चल रहा है तो इस पर चर्चा करा लें और मुख्यमंत्री सरकार का पक्ष स्पष्ट करें। कहा जा रहा है कि इसमें सपा के लोग हैं तो मेरी मांग है कि अगर सपा के लोग हैं तो उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन साथ ही जो दूसरे लोग इसमें शामिल हैं, उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जानी चाहिए।''

उन्होंने इस पर चर्चा कराए जाने की मांग की। संसदीय कार्य व वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा ''उप्र में इससे एक भी मौत नहीं हुई है, ये जो आरोप लगा रहे हैं गलत है।'' खन्ना ने कहा ''कोडीन के मुद्दे पर चर्चा के लिए सरकार तैयार है। बड़े पैमाने पर लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। विपक्ष के पास नकारात्मक सोच के अलावा कोई एजेंडा नहीं है। केवल नकारात्मकता फैलाना और समाज को गुमराह करना इनका एजेंडा है।'' इस बीच सपा के सदस्य विरोध स्वरूप अध्यक्ष के आसन के सामने आ गये और सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते रहे। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने विपक्षी सदस्यों से कई बार सीट पर बैठने का अनुरोध किया। महाना ने कहा ''आपने (सपा) नियम 56 (सदन की कार्यवाही रोककर चर्चा कराने की मांग) के तहत नोटिस दिया है और जब उसका समय आएगा तो आपको जानकारी मिलेगी। अभी आप प्रश्नकाल चलने दीजिए, आप जो तथ्य लेकर आए हैं, उस पर सरकार जवाब देगी।''

योगी सरकार ने विधानसभा में पेश किया 24496.9 करोड़ रुपये का अनुपूरक बजट

लखनऊ **(एजेंसी)**। योगी सरकार ने सोमवार को विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए ?24, 496.98 करोड़ का अनुपूरक बजट प्रस्तुत किया। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बजट पेश करते हुए कहा कि यह अनुपूरक बजट प्रदेश में विकास की निरंतरता बनाए रखने, आवश्यक क्षेत्रों में अतिरिक्त संसाधन उपलब्ध कराने और बदलती जरूरतों के अनुरूप योजनाओं को गति देने के उद्देश्य से लाया गया है। वित्त मंत्री ने बताया कि वर्ष 2025-26 के लिए प्रदेश का मूल बजट ?808, 736.06 करोड़ का था, जबकि प्रस्तुत अनुपूरक बजट मूल बजट के अनुपात में 3.03 प्रतिशत है। अनुपूरक बजट को मिलाकर वित्तीय वर्ष 2025-26 का कुल बजट अब 833, 233.04 करोड़ का हो गया है। उन्होंने कहा कि यह बजट विकासात्मक प्राथमिकताओं को और अधिक सुदृढ़ करने पर केंद्रित है। प्रस्तुत अनुपूरक बजट में राजस्व व्यय के रूप में ?18, 369.30 करोड़, पूंजीगत व्यय के रूप में ?6, 127.68 करोड़ का प्रावधान किया गया है। सरकार का उद्देश्य राजस्व आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ-साथ पूंजीगत निवेश को बढ़ाकर आधारभूत ढांचे को मजबूत करना है।

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि अनुपूरक बजट में प्रदेश की आर्थिक प्रगति और जनकल्याण से जुड़े प्रमुख क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गई है। इसके अंतर्गत औद्योगिक विकास के लिए ?4, 874 करोड़, पावर सेक्टर के लिए ?4, 521 करोड़, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के लिए ?3, 500 करोड़, नगर विकास के लिए ?1, 758.56 करोड़, तकनीकी शिक्षा के लिए ?639.96 करोड़ की धनराशि प्रस्तावित की गई है।

अनुपूरक बजट में सामाजिक और भविष्य उन्मुख क्षेत्रों पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। इसके तहत, महिला एवं बाल विकास के लिए ?535 करोड़, यूपीनेडा (सौर एवं नवीकरणीय ऊर्जा) के लिए ?500 करोड़, मेडिकल एजुकेशन के लिए ?423.80 करोड़, गन्ना एवं चीनी मिल क्षेत्र के लिए ?400 करोड़ की बजटीय व्यवस्था की गई है।

23 जिलों वाला हुआ हरियाणा, हिसार की सीमाएं बदली, मुख्यमंत्री ने की थी घोषणा

चण्डीगढ़ **(एजेंसी)**। हरियाणा सरकार ने हांसी को एक अलग जिला घोषित करने की अधिसूचना जारी की है। इसके साथ ही राज्य में अब कुल 23 जिले हो गए हैं। सरकार ने अपने बयान में कहा कि हरियाणा भूमि राजस्व अधिनियम, 1887 (पंजाब अधिनियम 17 ऑफ 1887) की धारा 5 और पंजीकरण अधिनियम, 1908 (केंद्रीय अधिनियम 16 ऑफ 1908) की धारा 5 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल हिसार जिले की सीमाओं में परिवर्तन करते हैं और उप-मंडलों की संख्या में संशोधन करते हैं, ताकि हांसी और नारनौंद उप-मंडलों को मिलाकर हांसी नामक एक नया जिला बनाया जा सके। इस बीच, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य भर की सभी तहसीलों में भूमि पंजीकरण प्रक्रिया पूरी तरह से ऑनलाइन है, जिससे भ्रष्टाचार की संभावना काफी कम हो गई है। खरीदार अब अपने घरों से ही ऑनलाइन पंजीकरण के लिए आवेदन कर सकते हैं। तहसीलदारों को निर्धारित समय सीमा के भीतर पंजीकरण पूरा करना होगा। यदि पंजीकरण समय पर पूरा नहीं होता है, तो संबंधित तहसीलदार को सरकार को लिखित स्पष्टीकरण देना होगा। यदि उत्तर संतोषजनक नहीं पाया जाता है, तो अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की जाएगी और जिम्मेदारी एक वरिष्ठ अधिकारी को सौंप दी जाएगी।

इससे पहले, दिल्ली मंत्रिमंडल ने दिल्ली के मौजूदा 11 राजस्व जिलों को 13 नए राजस्व जिलों में पुनर्गठित करने के ऐतिहासिक प्रस्ताव को मंजूरी दी, जो पूरी तरह से 12 एमसीडी जोन, एनडीएमसी और दिल्ली छावनी बोर्ड के साथ समाहित होंगे। एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई है।

दिल्ली सरकार के राजस्व विभाग की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में 13 जिले होंगेः दक्षिण पूर्व, पुरानी दिल्ली, उत्तर, नई दिल्ली, मध्य, मध्य उत्तर, दक्षिण पश्चिम, बाहरी उत्तर, उत्तर पश्चिम, उत्तर पूर्व, पूर्व, दक्षिण और पश्चिम। इस कदम का उद्देश्य राजस्व जिलों और एमसीडी जोन के बीच दशकों से चली आ रही क्षेत्राधिकार संबंधी उलझन को समाप्त करना है। इसके तहत उप-मंडलों की संख्या 33 से बढ़ाकर 39 और उप-पंजीयक कार्यालयों की संख्या 22 से बढ़ाकर 39 की जाएगी।

ग्रेप-4 के बीच कोंडली में ब्रिक प्लांट चालू दिल्ली सरकार पर आप का आरोप

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने एक वीडियो साझा करते हुए आरोप लगाया है कि भाजपा सरकार द्वारा जीआरएपी-4 के तहत कड़े प्रवर्तन के दावों के बावजूद, दिल्ली सरकार द्वारा संचालित कोंडली एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) के अंदर एक ईंट कारखाना चल रहा है और घना धुआं उगल रहा है। आप का दावा है कि यह वीडियो कोंडली विधायक कुलदीप कुमार द्वारा हाल ही में किए गए स्थल निरीक्षण के बाद जारी किया गया है।

वीडियो साझा करते हुए, आप दिल्ली इकाई के प्रमुख सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया, 'जीआरएपी-4 के दौरान भी, दिल्ली में भाजपा सरकार के अधीन कोंडली एसटीपी के अंदर चल रहे ईंट कारखाने से उठते धुएं को देखिए। क्या सरकार और उसके मंत्री केवल जनसंपर्क और नौटंकी में व्यस्त हैं? क्या दिल्ली के लोगों और हवा की रक्षा की पूरी जिम्मेदारी केवल नागरिकों और विपक्ष की है?' इस बीच, दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) परिसर के अंदर चल रहे ईंट कारखाने का निरीक्षण करने के बाद, कोंडली विधायक कुलदीप कुमार ने दावा किया कि एसएसपी प्राइवेट लिमिटेड का एक स्लज प्रबंधन संयंत्र उस स्थान पर कार्यरत है।

कुलदीप कुमार ने आरोप लगाया, जीआरएपी-4 के तहत प्रतिबंध पूरे शहर में लागू हैं, फिर भी इस स्थान पर नियमों का खुलेआम उल्लंघन हो रहा है। मैंने मौके पर मौजूद कर्मचारियों को फटकार लगाई और उन्हें संयंत्र को तुरंत बंद करने का निर्देश दिया। इस बीच, दिल्ली के मंत्री मनिंदर सिंह सिरसा ने सोमवार को कहा कि जीआरएपी-4 के तहत सख्त प्रवर्तन उपायों से सकारात्मक परिणाम मिले हैं, हालांकि पश्चिमी विक्षोभ के कारण राष्ट्रीय राजधानी में खराब मौसम की स्थिति बनी हुई है।

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए सिरसा ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से दिल्ली में मौसम बहुत खराब बना हुआ है, जिसके कारण सरकार को कड़े प्रतिबंध लगाने पड़े। उन्होंने कहा कि पिछले चार दिनों से जीआरएपी-4 के तहत प्रतिबंध लागू हैं और हमें अच्छे परिणाम देखने को मिले हैं। प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों को चेतावनी देते हुए सिरसा ने कहा कि चिन्हित उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ सीलिंग की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

बंगाल चुनाव में ममता बनर्जी की बढेगी चुनौती!
निलंबित टीएमसी नेता हुमायूं कबीर ने नई पार्टी का किया ऐलान

कोलकाता **(एजेंसी)**। तृणमूल कांग्रेस के पूर्व विधायक हुमायूं कबीर ने सोमवार को जनता उन्नयन पार्टी नाम से एक नई राजनीतिक पार्टी की शुरुआत की। इस शुरुआत से पहले, निलंबित टीएमसी नेता ने कहा कि यह पार्टी आम आदमी के लिए काम करने के लिए बनाई जा रही है। कबीर ने एएनआई को बताया कि मैं आज दोपहर एक नई पार्टी की शुरुआत कर रहा हूं। यह पार्टी आम आदमी के लिए काम करने के लिए बनाई जा रही है।

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में 6 दिसंबर को बाबरी मस्जिद का उद्घाटन करने के दावे के बाद तृणमूल कांग्रेस से निलंबित किए जाने के बाद टीएमसी के पूर्व नेता ने इस नई पार्टी की शुरुआत की। कबीर ने अपने इस कदम का बचाव करते हुए कहा था कि संविधान उन्हें मस्जिद बनाने का अधिकार देता है। मुर्शिदाबाद में सभा को संबोधित करते हुए कबीर ने कहा कि मैं कोई भी असंवैधानिक काम नहीं कर रहा हूँ। कोई भी मंदिर बना सकता है, कोई भी गिरजाघर बना सकता है; मैं मस्जिद बनाऊँगा। कहा जा रहा है कि हम बाबरी मस्जिद नहीं बना सकते। यह कहीं लिखा नहीं है।

उन्होंने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया था कि हिंदू जनता ने बाबरी मस्जिद को ध्वस्त किया था। हिंदुओं की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए यहाँ मंदिर बनाने का निर्णय लिया गया था। अब हम देख रहे हैं कि कोई सागरदिघी में राम मंदिर की नींव रख रहा है। लेकिन संविधान हमें मस्जिद बनाने की अनुमति देता है। इसी बीच, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भगवत ने आरोप लगाया कि बाबरी मस्जिद विवाद को फिर से हवा देने के लिए एक 'राजनीतिक साजिश' रची जा रही है। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में मस्जिद की नींव रखने का समारोह 'वोटों के लिए' किया जा रहा है और इससे न तो हिंदुओं को और न ही मुसलमानों को कोई फायदा होगा।

मोहन भगवत ने कोलकाता में कहा कि अब, बाबरी मस्जिद का पुनर्निर्माण करके विवाद को फिर से शुरू करने की यह एक राजनीतिक साजिश है। यह वोटों के लिए किया जा रहा है; यह न तो मुसलमानों के लिए है और न ही हिंदुओं के लिए। ऐसा नहीं होना चाहिए। मेरी यही राय है। आरएसएस प्रमुख मोहन भगवत के 'बाबरी मस्जिद' के निर्माण के कथित आह्वान पर प्रतिक्रिया देते हुए, हुमायूं कबीर ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर आरएसएस से संबंध रखने का आरोप लगाया। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि ममता बनर्जी राज्य में आरएसएस का प्रभाव बढ़ाने में मदद कर रही हैं।

'सागर बंधु' के बीच भारत की 'पड़ोसी पहले' नीति का दम, जयशंकर श्रीलंका जाएंगे

कोलम्बो **(एजेंसी)**। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि विदेश मंत्री एस जयशंकर प्रधानमंत्री के विशेष दूत के रूप में 23 दिसंबर को श्रीलंका का दौरा करेंगे, जहां वे देश के नेतृत्व से मुलाकात करेंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह दौरा भारत की 'पड़ोसी पहले' नीति को रेखांकित करता है और चक्रवात दित्वाह से हुई तबाही के बाद श्रीलंका की सहायता के लिए शुरू किए गए 'सागर बंधु अभियान' के तहत चल रहे राहत कार्यों के बीच हो रहा है। जयशंकर की मुलाकातों से दोनों देशों के बीच संबंध और मजबूत होने की उम्मीद है, क्योंकि भारत चक्रवात के प्रभाव से उबरने में श्रीलंका की मदद के लिए मानवीय सहायता का समन्वय और द्विपक्षीय सहयोग को सुदृढ़ करना जारी रखे हुए है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह दौरा भारत की 'पड़ोसी पहले' नीति को रेखांकित करता है और चक्रवात दित्वाह से हुई तबाही से निपटने के लिए शुरू किए गए 'सागर बंधु अभियान' के संदर्भ में हो रहा है।

भारत ने चक्रवात दित्वाह के बाद राहत और सहायता प्रदान करके श्रीलंका को भरपूर समर्थन दिया है। इसी मानवीय सहायता के तहत, कैंडी स्थित भारतीय सहायक उच्चायोग ने 'ऑपरेशन सागर बंधु' के अंतर्गत पिछले सप्ताह चक्रवात से प्रभावित 86 परिवारों को सूखा राशन वितरित किया। एक्स पर एक पोस्ट में सहायक उच्चायोग ने कहा कि ऑपरेशन सागर बंधु के तहत श्रीलंका को भारत की निरंतर सहायता के अंतर्गत, सहायक उच्चायोग सारन्या वीएस ने माननीय सांसद किटनान सेल्वराज, सांसद अंबिका सैमुअल, स्थानीय अधिकारियों और एस्टेट प्रबंधन की उपस्थिति में बडुल्ला जिले के डिकवेला एस्टेट के चक्रवात दित्वाह से प्रभावित 86 परिवारों को सूखा राशन वितरित किया। भारत श्रीलंका और उसके लोगों को पुनर्निर्माण और आगे बढ़ने में निरंतर समर्थन दे रहा है।

दबंग ग्राम प्रधान की शह पर गरीब का रास्ता बंद, घरौनी में दर्ज मार्ग पर विपक्षी ने किया कब्जा

मंत्र भारत संवाददाता

सिराथू/कौशाम्बी। जनपद के तहसील सिराथू अंतर्गत ग्राम पंचायत खोराव से सत्ता की हनक और प्रशासनिक शिथिलता का एक गंभीर मामला सामने आया है। यहाँ एक निर्धन वृद्ध का घरौनी में दर्ज रास्ता ग्राम प्रधान की मिलीभगत से बंद कर दिया गया है। पीड़ित न्याय के लिए दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर है।

ज्ञात हो कि ग्राम खोराव निवासी वृद्ध शारदा प्रसाद पुत्र स्व0 कलेशर ने मुख्य विकास अधिकारी को शिकायती पत्र सौंपते हुए आरोप लगाया है कि गाँव के ही दबंग विपक्षी सुखलाल पुत्र पण्डा ने उनके घर का मुख्य रास्ता बंद कर दिया है। पीड़ित का कहना है कि यह रास्ता सरकारी अभिलेखों (घरौनी) में बाकायदा दर्ज है और इस पर खड़ंजा भी लगा हुआ है।

पीड़ित शारदा प्रसाद का आरोप है कि ग्राम प्रधान सोने लाल के इशारे पर ही विपक्षी ने रास्ता रोका है। इतना ही नहीं, पीड़ित ने बताया कि जब पूर्व में राजस्व और पुलिस विभाग की टीम मामले की जांच करने आई, तो ग्राम प्रधान ने अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर प्रशासनिक टीम को रास्ता साफ कराने से रोक दिया। वृद्ध पीड़ित का कहना है कि वह आर्थिक रूप से कमजोर है और इसी का फायदा उठाकर विपक्षी उसे लगातार डरा-धमका रहे हैं। रास्ता खोलने की बात करने पर उसे जान से मारने की धमकी दी जा रही है, जिससे पीड़ित का पूरा परिवार दहशत में है। पीड़ित परिवार ने मुख्य विकास अधिकारी से मांग की है कि मौके का स्थलीय निरीक्षण कर सरकारी अभिलेखों में दर्ज मार्ग को कब्जा मुक्त कराया जाए।

वीर बाल दिवस एवं बाल विवाह मुक्त भारत अन्तर्गत किया गया जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। वीर बाल दिवस कार्यक्रम अन्तर्गत राष्ट्र निर्माण में मेरी भूमिका अन्तर्गत विकसित भारत के लिए मेरा विजन, भारत के इतिहास से वीरता की कहानियां, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, हर बालिका है सशक्त थीम पर प्राथमिक विद्यालय समदा, प्रा0/उच्च प्रा0 वि0 घना का पूरा, राजकीय महामाया डिग्री कालेज ओसा, राजकीय पॉलीटेक्निक कालेज टेंवा, प्रा0 वि0 कोड़र, वन स्टाप सेन्टर सहित विभिन्न विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केन्द्रो में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बच्चें राष्ट्र निर्माण में कैसे अपनी भूमिका निभायेंगे बच्चों को शिक्षा के महत्व उसकी उपयोगिता तथा बीरों की कहानियां जिन्होंने देश के निर्माण के लिए अपनी कुर्वानी दी कैसे देश को आजादी दिलाया। क्या-क्या समस्यायें आयी इस पर विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान कर बच्चों के ज्ञानवर्धन के साथ पोस्टर, स्लोगन एवं निबंध लेख प्रतियोगिता किया गया । यह कार्यक्रम 26 दिसंबर तक जनपद के प्राथमिक विद्यालयों, माध्यमिक विद्यालयों, उच्च शिक्षा विद्यालय एवं कालेज सहित आंगनबाड़ी केन्द्रो में संचालित किया जायेगा, जिससे बच्चों में देश प्रेम के प्रति उनकी भूमिका, बच्चों के नैतिक विकास सहित उनका ज्ञान वर्धन बढ़ाया जा सके। महिला कल्याण विभाग से हब फॉर इम्पॉवरमेन्ट, जिला बाल संरक्षण इकाई, एवं चाइल्ड हेल्पलाइन के कर्मचारियों द्वारा उक्त के अतिरिक्त बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत बच्चों को बाल विवाह न करने की की शपथ दिलाते हुये रैली का आयोजन कराया गया। छात्र छात्राओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा, बाल विवाह के दुष्परिणामों सहित बताया गया कि बाल विवाह न केवल कानून अपराध है बल्कि यह बालिकाओं के शारीरिक, मानसिक और शैक्षणिक विकास में बड़ी बाधा है। बच्चों को सुरक्षित, शिक्षित और सशक्त बनाया जाये ताकि वे अपने सपनों को साकार कर सके महिलाओं और बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने तथा उनके प्रति होने वाले अपराधों को रोकने हेतु विभिन्न हेल्पलाइन नम्बरों 1098, 1090, 181, 112 सहित महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना आदि की विस्तृत जानकारी प्रदान कर पम्पलेट वितरण किया गया। कार्यक्रम में महिला कल्याण विभाग से अजीत कुमार संरक्षण अधिकारी, जिला समन्वयक, पूनम पाल, जेण्डर स्पेशलिस्ट अंजू द्विवेदी, उमा साहू, चाइल्ड हेल्पलाइन से सविता देवी, सीमा, वन स्टाप सेन्टर से रमा मिश्रा जिला बाल संरक्षण इकाई से परामर्शदाता मालती देवी, ए0एच0टी0यू0 टीम सहित महामाया डिग्री कालेज, पॉलीटेक्निक कालेज प्राथमिक विद्यालय के स्टाफ एवं अधिक संख्या में बालक एवं बालिकायें उपस्थित रहे।

लापता युवक की संदिग्ध दशा में मौत हत्या की आशंका

कौशाम्बी। पश्चिमशरीरा थाना क्षेत्र के पूरब सरावां गांव का 30 वर्षीया कृष्णा पासी पुत्र धंधू अपने 30 वर्षीय ही साथी सुरेश पासी पुत्र रामदास निवासी कोइली का पुरवा के साथ रविवार रात लगभग आठ बजे पास के गौरा गांव निमंत्रण में गया था। रात तकरीबन 11 बजे दोनों वापस लौटे। कृष्णा पासी के अनुसार उसने सुरेश पासी को उसके गांव कोइली का पुरवा के बाहर छोड़ दिया था। देर रात जब सुरेश अपने घर नहीं लौटा तो परिजन परेशान हुए। सोमवार को दिनभर उसकी तलाश की गई। शाम को परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। इसी बीच गांव से कुछ दूरी पर सड़क किनारे एक युवक का लहूलुहान शव मिला, जिसे पुलिस ने अज्ञात मानकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। बाद में मृतक की पहचान सुरेश के रूप में ही हुई। परिजनों का आरोप है कि उसकी हत्या की गई है।

जेल में प्रतिबंधित वस्तुओं का प्रवेश हुआ तो खैर नहीं : डीएम

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल शर्मा और पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने सोमवार को जिला कारागार का आकस्मिक निरीक्षण किया। दोनों वरिष्ठ अधिकारियों ने कारागार की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और बंदियों की स्थिति का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान डीएम-एसपी ने बंदियों, कैदियों से सीधा संवाद किया तथा उनकी सुविधाओं, भोजन, चिकित्सा एवं अन्य समस्याओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। अधिकारियों ने जेल परिसर में स्वच्छता व्यवस्था को और सुदृढ़ रखने, प्रतिबंधित वस्तुओं के प्रवेश पर पूर्ण रोक लगाने तथा सुरक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के लिए जेल प्रशासन को स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर जेल अधीक्षक अजितेश मिश्रा सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

डीएम ने कहा कि यह निरीक्षण बंदियों के कल्याण एवं जेल व्यवस्था में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा। उन्होंने जेल में प्रतिबंधित सामग्रियों के प्रवेश पर कार्रवाई का अल्टीमेटम भी दिया है। बताया कि किसी भी तरह की प्रतिबंधित सामग्री नहीं मिली है।

मोबाइल स्नेचिंग के दो आरोपी गिरफ्तार

कौशाम्बी। पिपरी थाने पर मोबाइल छिनैती के अलग-अलग तिथियों में कुल चार मुकदमे दर्ज किए गए। एसपी राजेश कुमार ने घटना का खुलासा करने के लिए थानेदार को जरूरी दिशा-निर्देश दिए थे। सोमवार को पुलिस ने पॉवर हाउस बहलेपुर के समीप से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। थाना प्रभारी विकास सिंह ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों की पहचान विपिन उर्फ ननका पुत्र ओमप्रकाश व सुनील पुत्र शिव प्रसाद निवासी मंदर थाना पूरामुफ्ती के रूप में हुई है। इनका एक साथी घेराबंदी के दौरान फरार हो गया। उसकी तलाश की जा रही है। पकड़े गए स्नेचरों का चालान कर दिया गया है।

जिलाधिकारी ने की जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने उदयन सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक की।

ज्ञात हो कि जिलाधिकारी ने जननी सुरक्षा योजना की प्रगति की समीक्षा के दौरान सभी प्रभारी चिकित्साधिकारियों से कहा कि विशेष ध्यान देते हुए गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों को सभी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाय।आशाओं के साथ नियमित रूप से बैठक कर उनके कार्यों की समीक्षा के साथ ही आशाओं के माध्यम से गर्भवती महिलाओं को जागरूक किया जाय कि वे नियमित चेक-अप करायें एवं आयरन फोलिक एसिड टेबलेट भी खाएं। उन्होंने सभी प्रभारी चिकित्साधिकारियों से एच.आर.पी. महिलाओं की संख्या की जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि एच.आर.पी. महिलाओं पर विशेष ध्यान देते हुए नियमित जॉच के साथ ही आशाओं को सक्रिय रखा जाय एवं प्रसव की ड्यूडेट के अनुसार पूर्व से ही आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करा लिया जाय। एच.आर.पी. का कारण क्या है, इसका भी रिकार्ड रखा जाय। उन्होंने प्रभारी चिकित्साधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कड़ा एवं सिराथू को नॉट रिपोर्टेड प्रसव पर ध्यान देते हुए सुधार लाने के निर्देश दिए।

रोजगार मेले में 623 अभ्यर्थियों का किया गया चयन

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिला पंचायत अध्यक्ष, कल्पना सोनकर ने कौशल विकास मिशन एवं राजकीय आई0टी0आई0 के संयुक्त तत्वाधान में राजकीय आई0टी0आई0 सिराथू के परिसर में आयोजित एक दिवसीय वृहद अटल रोजगार मेले का फीता काटकर एवं दीप प्रज्जवलन कर शुभारम्भ किया। रोजगार मेले में 1189 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया।

ज्ञात हो कि रोजगार मेले में लावा मोबाईल-14 अभ्यर्थियों का चयन किया। इसी प्रकार सनडेन विकास प्रा0लि0-11, शिवशक्ति बायोटक-32, फेम इण्डिया-15, श्रीराम पिस्टन-06, गौतम सोलर-36, ग्लेबल आटोटेक-07, वर्धमान टेक्सटाइल्स-53, फ्लिपकार्ट-80, टाटा एनर्जी-23, टाटा मोटर्स-40, यजाकी इण्डिया-62, एमआरएफ टायर्स-38, टीवीएस मैन्युफैक्चरिंग-04, जीएमआर विजन-37, ब्लिंकंट-22, जीडीएक्स सिक्योरिटी-38, कृष्णा मारूति-74, एसएसआईएस सिक्योरिटी-15 एवं हैवेल्स-11 के द्वारा कुल 623 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्या, ब्लॉक प्रमुख सिराथू जितेन्द्र कुमार सोनकर एवं मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी, जिला सेवायोजन अधिकारी, प्रधानाचार्य रा0आई0टी0आई0 सिराथू/ मंझनपुर, प्रधानाचार्य राजकीय पॉलीटेक्निक टेंवा तथा कौशल विकास मिशन के समस्त अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहें।

साइबर फ्रॉड हुए धनराशि को पुलिस ने कराया वापस साइबर

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले की मिश्रौलिया थाना क्षेत्र में हुए साइबर फ्रॉड से सम्बंधित आवेदक विनोद कुमार पुत्र जयराम साकिन थाना मिश्रौलिया द्वारा एनसीआरपी पोर्टल के माध्यम से शिकायत दर्ज कराया गया कि आवेदक के इ्फ्दहाझ से ळझ्घ के माध्यम से कुल 3030/- रुपये ट्रान्सफर हो गया था । डॉ0 अभिषेक महाजन पुलिस अधीक्षक द्वारा साइबर जागरूकता अभियान व साइबर अपराध की रोकथाम के सम्बन्ध में चलाये जा रहे अभियान के क्रम में व प्रशान्त कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक व पवीन प्रकाश क्षेत्राधिकारी इटवा के पर्यवेक्षण में जांच के क्रम में राजेश कुमार तिवारी प्रभारी निरीक्षक मिश्रौलिया के नेतृत्व में साइबर सेल टीम उ0नि0 छविनाथ राम व उ0नि0 श्याम कन्हैया दूबे प्रभारी साइबर सेल थाना मिश्रौलिया मय साइबर सेल के प्रयास से फ्राड हुए कुल 3030/- रुपये को आवेदक के खाते में वापस कराया गया। जिसकी क्षेत्र में हो रही प्रशंसा।

खेल को बढ़ावा देने के लिए सांसद खेल महोत्सव का मंडलायुक्त ने किया शुभारंभ

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले में स्थित स्पोर्ट्स स्टेडियम में सांसद खेल महोत्सव का विधवत शुभारंभ हुआ। चार दिनों तक चलने वाले इस सांसद खेल महोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि बस्ती मंडल के कमिश्नर अखिलेश सिंह, स्थानीय सांसद जगदम्बिका पाल, जिलाधिकारी शिव शरणप्पा जीएन, पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन, सिद्धार्थनगर नगर पालिका अध्यक्ष गोविंद माधव सहित कई भाजपा के वरिष्ठ नेताओं और जिला स्तरीय अधिकारियों ने शिरकत की। आज शुरू हुए इस सांसद खेल महोत्सव में जिले के ग्राम पंचायत स्तर पर हुए खेल प्रतियोगताओ में अपना स्थान बनाने वाले बच्चों ने हिस्सा लिया। इस मौके पर स्कूली बच्चों ने आए हुए अतिथियों के स्वागत में स्वागत गीत और नृत्य पेश कर खूब तालियां बटोरी। सांसद खेल महोत्सव को लेकर स्थानीय सांसद जगदम्बिका पाल ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की परिकल्पना है कि गांव में छिपी खेल प्रतिभा निकाल कर सामने आए और भारत का नेतृत्व करे। इसी उद्देश्य से पिछले 5 सालों से हर लोकसभा क्षेत्र में सांसद खेल महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। जगदंबिका पाल ने कहा कि सिद्धार्थनगर जिले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिन 17 सितंबर से सांसद खेल प्रतियोगिता शुरू हुई थी जिसका समापन 25 दिसंबर को होना है। उन्होंने कहा कि पूरे जिले में सांसद खेल महोत्सव के विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग के लिए लगभग 1 लाख 33 हज़ार बच्चों ने फॉर्म भरा था। जिसमें जीतकर सेलेक्ट होकर ये बच्चे जिला मुख्यालय पर आए हैं । उनके बीच यहां प्रतिभा होना है यहां से जीतने वाले बच्चे मंडल फिर प्रदेश और इसके आगे देश का नेतृत्व करेंगे। सांसद ने कहा कि 25 दिसंबर को इन खेलों का समापन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वर्चुअल तरीके से होगा जिसमें भारी संख्या में स्कूली बच्चे उनके अभिभावक भाजपा के कार्यकर्ता और आम नागरिक उपस्थित होकर प्रधानमंत्री के लाइव प्रोग्राम के ऐतिहासिक छड़ का हिस्सा बनेंगें। सांसद खेल महोत्सव के आयोजन में राधे रमण त्रिपाठी, अशोक सिंह, भाजपा भाजपा नेता राजेंद्र पांडे, एसपी अग्रवाल, शिवेंद्रधर द्विवेदी, अमरिंदर सिंह, रिंकू पाल नगर पालिका अध्यक्ष सिद्धार्थनगर गोविंद माधव, सबलू साहनी, सहित अधिकारी व भाजपा नेता रहे मौजूद।

पुलिस ने एक नफर वाँछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के पुलिस अधीक्षक डॉ0 अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में प्रशान्त कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन व रोहिणी यादव क्षेत्राधिकारी बाँसी के कुशल पर्यवेक्षण अनूप कुमार मिश्र थानाध्यक्ष थाना खेसरहा के नेतृत्व में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 112/2025 धारा 115(2), 108, 352, 85 बीएनएस से सम्बन्धित वांछित अरुण पुत्र पल्टन निवासी पाला अभियुक्त को लक्ष्मीगंज तिराहे से उप निरीक्षक जगतनरायण यादव, का0 देवानन्द गौतम की टीम ने गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा।

पथरा बाजार पुलिस द्वारा अपराध एव अपराधियो के विरुद्ध चलाया जा रहा अभियान

सिद्धार्थनगर। जिले के पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन पुलिस अधीक्षक के आदेश के क्रम में प्रशान्त कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में बृजेश कुमार वर्मा क्षेत्राधिकारी डुमरियागंज के कुशल पर्यवेक्षण में अमित कुमार थानाध्यक्ष थाना पथरा बाजार के नेतृत्व मे अपराध एव अपराधियो के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत वाद संख्या 1343/20 धारा 379, 411, 188, 269, 270 ग्ज्न ब 3 महामारी अधिनियम 5/6 आपदा प्रबंधन से सम्बंधित 01 नफर वारंटी 01.पप्पू पुत्र बेचन निवासी अमारेडीहा थाना सोनहा जनपद बस्ती को उप निरीक्षक उदयनाथ मिश्रा, का0 प्रेम सागर चौधरी की टीम ने गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा।

महिला अपराध व साइबर अपराध व उससे बचाव के बारे में जागरूकता कार्यक्रम

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के पुलिस डॉ0 अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं के सुरक्षा एवं जागरूकता अभियान' के संबंध में दिए गए निर्देश के क्रम में प्रशांत कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक व क्षेत्राधिकारी बांसी रोहिनी यादव के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक मृत्युंजय पाठक के कुशल नेतृत्व में थाना बांसी मिशन शक्ति केंद्र टीम द्वारा मिशन शक्ति के अन्तर्गत महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत बहु बेटी सम्मेलन व साइबर जागरूकता के अंतर्गत थाना क्षेत्र बांसी के विभिन्न सार्वजनिक स्थानों ग्राम टेडिया सोनखर में जाकर चौपाल लगाकर बालिकाओं/ महिलाओं को मिशन शक्ति के तहत सरकार के विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे मे जैसे कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, रानी लक्ष्मी बाई बाल एवं महिला सम्मान कोष, नारी शक्ति वंदन अधिनियम, मातृ शक्ति को सम्बल निराश्रित महिला पेंशन योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना आदि अन्य योजनाओ से संबंधी जानकारी को बताया गया। अपराधो व बचाव के बारे में जानकारी दी गयी व साइबर अपराध से बचने के संबंध में उप निरीक्षक परमहंस पाल, हेड कांस्टेबल बीरबल यादव, महिला कास्टेबल गीतांजलि की टीम ने किया जागरूक साथ ही ऐसा कोई घटना हो जाती है तो साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें और cyberpolice.nic.in पर शिकायत दर्ज करें।

आपात सेवाओं यूपी-112 की योजनाओं के बारे में नागरिकों को किया गया जागरुक

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के पुलिस अधीक्षक डॉ0 अभिषेक महाजन के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक प्रशान्त कुमार प्रसाद सम्बन्धित क्षेत्राधिकारी के मार्गदर्शन में प्रभारी निरीक्षक यू0पी0-112 जनपद-सिद्धार्थनगर अरविन्द कुमार शाही, मुख्यालय यू0पी0-112 द्वारा भेजी गयी टीम के प्रभारी निरीक्षक अनिल शुक्ला द्वारा यूपी-112 जनपद-सिद्धार्थनगर के आपातकालीन सेवा को अत्यधिक सुदृढ़ बनाने, पीड़ित को त्वरित सहायता पहुंचाने, आम जनमानस को जागरूक करने, पुलिस और जनता के बीच विश्वास बढ़ाने तथा अपराधिक गतिविधियों के रोकथाम हेतु जनपद सिद्धार्थनगर के महत्वपूर्ण स्थानों रेलवे स्टेशन सिद्धार्थनगर, कस्बा शोहरतगढ़ के गोलघर चौराहा, कस्बा बढ़नी पर मुख्यालय यू0पी0-112 लखनऊ द्वारा भेजी गयी नुक्कड़ नाटक दल (जिसमें पुरूष व महिला दोनों सम्मिलित है) तथा एलईडी वैन दल के माध्यम से यू0पी0-112 आपात सेवा का व्यापक प्रचार-प्रसार कराया गया । इस कार्यक्रम के दौरान अत्यधिक संख्या में बच्चे, महिलाएं, राहगीर, यात्रीगण इत्यादि मौजूद रहे, जिनको यू0पी0-112 आपात सेवाओं की विस्तृत जानकारी दी गयी । इस कार्यक्रम से लोग जागरूक होंगे तथा समाज में सुरक्षा की भावना बढ़ेगी एवं महिला व बच्चों की सुरक्षा में सुधार होगी । कोई भी व्यक्ति रात्रि के समय बस स्टेशन, रेलवे स्टेशन या अकेले यात्रा के दौरान असुरक्षित महसूस होने पर यूपी-112 पर काल करेगा तो पीआरवी उनकी त्वरित सहायता करेगी तथा उनको सुरक्षित गन्तव्य तक पहुंचाएगी । यू0पी0-112 जनपद सिद्धार्थनगर लगातार आपातकालीन सेवा को और बेहतर बनाने के लिए सतत् प्रयासरत है ।

शुद्धि-सूचना

सर्वधारण को सूचित किया जाता है कि तस्मीया बानों (TASMIYA BANO) के जन्म प्रमाण पत्र में त्रुटिवश माता का नाम श्रीमती हसीना बानों अंकित है जो कि गलत है, सही नाम हसीना बेगम (HASEENA BEGUM) है जो कि आधार कार्ड मे भी अंकित है, वास्तव मे लिखत-पढ़त में माता का नाम हसीना बेगम (HASEENA BEGUM) को ही सत्य माना जाए जो कि मेरी निजी जानकारी मे सत्य व सही हैं।

(मिराज उद्दीन)
पुत्र शहीम उद्दीन
निवासी : 72/1 जहाँगीराबाद, नैनी, प्रयागराज-उ0प्र0

सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ हिंदू सम्मेलन सम्पन्न

हिंदूओं का दिल बड़ा है-रामाशीष राय

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। हिंदूओं दिल बड़ा है वे अपने में सबको समाहित कर लेते हैं और अपना बना लेने की क्षमता रखते हैं वे वसुधैव कुटुम्ब की भावना रखते हैं यह बात कालिंदी पुरम में बरसाना पार्क में आयोजित हिंदू सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप रामाशीष राय राष्ट्रीय संगठन मंत्री गंगा समग्र ने कही, श्री राय ने कहा कि हिंदू समावेशी होता है तथा हिंदू एकता में ही समृद्ध भारत का आधार निहित है उन्होंने एक घटना का जिक्र करते हुए कहा कि केरल के सबरीमाला मंदिर में एक ईसाई कलाकार ने जाकर बच्चा पैदा होने की मनौती मांगी और वह पूरी हो गई, इसके बाद बच्चे का मुंडन संस्कार के लिए चर्च गया तो पादरी ने विरोध किया और उसे मंदिर जाने की सलाह दी, यही अंतर हिंदू धर्म और अन्य धर्म में है। इससे पहले महामंडलेश्वर योगी सत्यम जी महाराज ने कहा कि जात-पात की करो विदाई सभी हिन्दू भाई भाई। विशिष्ट अतिथि उषा कांत मिश्रा ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 साल पूरे होने पर आयोजित होने वाले पंच कर्म पर जोर दिया, सम्मेलन की अध्यक्षता संजीव

कुमार सिंह अपर महाधिवक्ता ने किया और हिंदू एकता पर बल दिया सम्मेलन में में आर एस एस के प्रयाग दक्षिण के भाग कार्य वाह मनोज शाहू, सहभाग कार्य वाह वीरेंद्र तिवारी, भाग प्रचारक देवदत्त कालिंदी नगर के सह नगर कार्यवाह मनोज कुमार सिंह वीरेंद्र संजय, अरविंद, पूरन , राम मूरत, राकेश, परमजीत, शिवाकांत, दिनेश दुबे, डी के मिश्रा, शिवाकांत विवेक पाण्डे जगदीश सिंह बुंदेला जय शंकर उपाध्याय गणेश उपाध्याय राजेश्वर आदि स्वयंसेवक उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन श्रीमती डॉ.आभा श्रीवास्तव ने किया। सम्मेलन में बस्ती के 1000से अधिक लोगों ने भाग लिया, बच्चे एवं बहनें तथा माताओं ने संस्कृति कार्यक्रम प्रस्तुति किया। प्रभा आर उपाध्याय ने सुन्दर सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वालों को सम्मानित भी किया गया।

आमरण अनशन के बाद जगद्गुरु कृष्णाचार्य को मिली जमीन, हुआ पूजन

जमीन ना मिलने पर मेला कार्यालय में आचार्य गोपाल ने शुरू किया था आमरण अनशन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। जनपद में तीन जनवरी पौष पूर्णिमा से प्रारंभ होने जा रहे माघ मेला में प्रशासन ने तिथि घोषित होने के बावजूद उत्तराखंड पीठाधीश्वर जगदगुरु रामानुजाचार्य स्वामी श्रीकृष्णाचार्य जी महाराज को शिविर लगाने के लिए जमीन आवंटित नही किया था जिस पर आचार्य गोपाल महराज के नेतृत्व में बडी संख्या में शिष्यों ने मेला प्राधिकरण कार्यालय पर धरना प्रदर्शन शुरू किया और मेला प्रशासन के अफसरों के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए आमरण अनशन शुरू कर दिया, इससे मेला कार्यालय में हडकंप मच गया।

माघ मेला का पहला स्नान पर्व पौष पूर्णिमा तीन जनवरी को हैं अभी तक भूमिका आवंटन नहीं किया गया है इससे जगदगुरू स्वामी कृष्णाचार्य महराज के शिष्यों में आक्रोश था।

स्वामी जी महाराज का प्रतिनिधि मंडल तथा श्री कृष्ण कुंज सेवा समिति ऋषिकेश का नेतृत्व करते हुए आचार्य गोपाल महराज ने मेला प्रशासन कार्यालय में आमरण अनशन शुरू कर दिया, इस दौरान बडी संख्या मे शिष्य आमरण अनशन मे शामिल होने लगे और मेला प्रशासन के अफसरों की कार्यशैली पर सवालिया प्रश्न चिह्न लगाते हुए जमकर नारेबाजी किया।

इससे मेला कार्यालय में हडकंप मच गया। मेला प्रशासन के अफसरों ने आनन फानन में मामले का निस्तारण करते हुए जगदगुरू स्वामी कृष्णाचार्य महराज को पूर्ववत त्रिवेणी रोड, संगम लोवर चौराहे की जमीन आवंटित कर दिया। उधर, देर शाम बडी संख्या में शिष्यों सहित आचार्य गोपाल महराज ने शिविर के लिए भूमि पूजन किया। उन्होंने बताया कि हम लोग कई वर्ष से शिविर की जमीन को लेकर परेशान होते है ऐसे मे मेला प्रशासन हमारे शिविर के लिए जमीन कही और दे दे जिससे कि विवाद ना हो। उन्होंने बताया कि शिविर मंगलवार से लगना शुरू हो जाएगा।

कालिंदीपुरम में निकली भव्य कलश यात्रा

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज।नर्मदेश्वर महादेव मंदिर प्रधानमंत्री मंत्री आवास योजना कालिंदी पुरम में नौ दिवसीय श्रीराम कथा सोमवार से शुरू हो रहीं हैं कथा से पहले आज 11.30 बजे से कलश यात्रा निकाली गई, जो नर्मदेश्वर महादेव मंदिर से शुरू हो कर 60 फिट रोड़, आर्मी कलोनी गेट से होते हुए मंदिर पर समाप्त हुई जिसमें प्रमुख रूप से श्रीमती, अनुपमा पराशर , किरण सिंह रीता सिंह, शालू श्रीवास्तव, श्रुति शुक्ला, काजल, कल्पना शुक्ला, सुरेश सिंह, सी पी मिश्रा, पवन श्रीवास्तव, सत्येन्द्र तिवारी, मनोज गुप्ता, के एन सिंह, जितेन्द्र जादौन जगदीश सिंह बुंदेला गुलाम सिंह पटेल पार्षद, विशाल आर्य, अजब नारायण सिंह, सुशील, राजेश मिश्रा राजकुमार शुक्ल, अधिक से अधिक संख्या में महिलाएं, पुरुष और बच्चे शामिल रहे, यात्रा में डी जे और घोड़ों से सुसज्जित रथ में श्रीराम, लक्ष्मण और सीता के रूप में बच्चे विराजमान रहे, अयोध्या के कथा व्यास जगतगुरु रामानुजाचार्य स्वामी ओम प्रपन्नाचार्य प्रति दिन अपराह्न 2 बजे से शाम 5 बजे तक श्री राम कथा सुनायेंगे।

राष्ट्रीय गणित दिवस में दिखी छात्रों की प्रतिभा, शिक्षकों ने देखा माडल

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। ज्वाला देवी सरस्वती शिशु मंदिर सिविल लाइन्स प्रयागराज के छात्र, छात्राओं ने आज गणित के महान जादूगर व महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के जन्मदिवस पर गणित की प्रदर्शनी विधालय परिसर में लगाकर हर्षोल्लास के साथ राष्ट्रीय गणित दिवस मनाया। कार्यक्रम के शुभारंभ में संकुल प्रमुख विक्रम बहादुर सिंह परिहार एवं प्रधानाचार्य इंद्रजीत त्रिपाठी दीप प्रज्वलित करके श्रद्धा सुमन अर्पित किया। आचार्य शेर बहादुर छात्रों को गणित के क्षेत्र में उनकी महान उपलब्धियां के बारे में जानकारी दी। संकुल प्रमुख विक्रम बहादुर सिंह परिहार ने छात्रों के माडल प्रदर्शनी का अवलोकन कर उनके माडल की प्रशंसा किया।

हयात प्लेस बुटवल करेगा भव्य ओपन स्काई पूलसाइड सेलिब्रेशन के जरिए 2026 का स्वागत

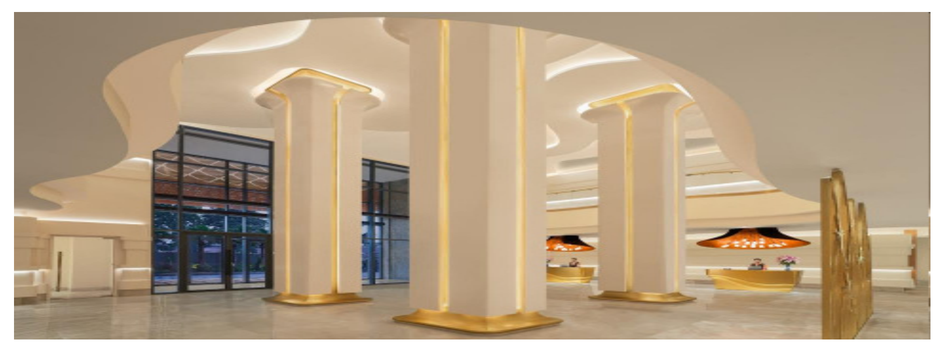

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। हयात प्लेस बुटवल अपने विशेष नववर्ष संध्या कार्यक्रम न्यू ईयर ईव अंडर दा स्टार्स के साथ मेहमानों को 2026 का स्वागत एक अविस्मरणीय ओपन-एयर पूलसाइड सेलिब्रेशन के साथ करने के लिए आमंत्रित करता है। रात के खुले आसमान के नीचे आयोजित इस समारोह में जोशीला मनोरंजन, असीमित पेय पदार्थ और पूल के किनारे भव्य मध्यरात्रि काउंटडाउन का वादा किया गया है। इस शाम में सेलिब्रिटी डीजे सुबुही जोशी, स्थानीय लाइव बैंड प्रस्तुतियाँ, हाई-एनर्जी डीजे सेट्स, मनमोहक बेली और आइटम डांस परफॉर्मेंस, तथा लाइव बारबेक्यू अनुभव (बडेल) शामिल होंगे, जो शुरुआत से अंत तक एक जीवंत माहौल बनाएंगे।

इस अवसर पर बोलते हुए, हयात प्लेस बुटवल के जनरल मैनेजर तुषार नागर ने इस कार्यक्रम के लिए अपनी परिकल्पना साझा करते हुए कहा इस नववर्ष पर हमारा उद्देश्य ऐसा अनुभव प्रदान करना है जो खुला, ऊर्जावान और अविस्मरणीय हो। खुले आसमान के नीचे पूलसाइड सेलिब्रेशन–तारों की छांव में, पहाड़ियों के सुंदर दृश्य और लाइव संगीत की ऊर्जा के साथ–स्वतंत्रता और आनंद की अनुभूति कराता है। यह पूरी तरह से दर्शाता है कि हम चाहते हैं कि हमारे मेहमान 2026 में ऊर्जा और स्टाइल के साथ कदम रखें।

भारतीय संस्कृति और मूल्यों की रक्षा का संकल्प, भौगोलिक दूरी बदल सकती है पर सांस्कृतिक दूरी कभी नहीं

अपनी मातृभूमि, मातृभाषा और आध्यात्मिक धरोहर से जुड़े रहना ही सशक्त भारतीयता का आधार : स्वामी चिदानन्द सरस्वती

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज/ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन में फिजी, न्यूज़ीलैंड, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका से आये प्रवासी भारतीय परिवारों को अपनी जड़ों, मूल और मूल्यों के संरक्षण का संदेश देते हुए स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि भौगोलिक दूरी बदल सकती है पर सांस्कृतिक दूरी कभी नहीं होनी चाहिए। अपनी मातृभूमि, मातृभाषा और आध्यात्मिक धरोहर से जुड़े रहना ही सशक्त भारतीयता का आधार है।

उन्होंने कहा कि जहाँ भी रहें, संस्कार, परिवार-भाव, सेवा, करुणा, कर्तव्य और आध्यात्मिकता जीवन का केंद्र बने रहें। यही जड़ें बच्चों में आत्मविश्वास, पहचान और गौरव प्रदान करती हैं। स्वामी जी ने आह्वान किया कि जड़ों को पकड़े रखो, मूल्यों को जियो और भारत को हृदय में धारण करो। स्वामी जी ने इस प्रवासी भारतीयों को नीलकंठ मन्दिर दर्शन, उत्तराखंड के दिव्य तीर्थ स्थलों, गुजरात के प्रसिद्ध मन्दिरों और भारत के प्रमुख तीर्थ स्थलों के दर्शन हेतु प्रेरित किया।

विश्वभर के कोने-कोने में बसे प्रवासी भारतीय आज आर्थिक उन्नति, वैज्ञानिक उपलब्धियों, बौद्धिक प्रगति और वैश्विक नेतृत्व के नए अध्याय रच रहे हैं। वे व्यापार, नवाचार, शिक्षा, चिकित्सा और प्रौद्योगिकी में प्रभावी योगदान देकर नई पीढ़ियों के लिए प्रेरणा-पुंज बने हैं। किन्तु इस उपलब्धि की सबसे बड़ी शक्ति केवल आधुनिक कौशल नहीं, भारतीयता का संस्कार है और इस संस्कार की प्रथम, अनिवार्य एवं मूलभूत सीढ़ी है मातृभाषा।

भाषा केवल संवाद का उपकरण नहीं, यह हमारी पहचान, सभ्यता, स्मृति, भाव-संसार, परिवार, परंपरा, आस्था और मूल्य-सम्पदा का आधार है। यदि नई पीढ़ी भाषा से दूर होती है, तो वह अनिवार्य रूप से अपनी जड़ों, संस्कृति और ऐतिहासिक चेतना से भी कटने लगती है। इसी कारण वर्तमान समय की सबसे प्रबल सांस्कृतिक चुनौती है प्रवासी भारतीय समुदाय में भारतीय भाषाओं का संरक्षण, संवर्धन और पुनर्जीवन।

मातृभाषा हमें यह स्मरण कराती है कि हम कौन हैं, किस भूमि से जुड़े हैं, हमारी भावनाओं के वृक्ष किस सांस्कृतिक मिट्टी में पनपे हैं। परिवार, श्रद्धा, कर्तव्य, मर्यादा, करुणा, त्याग, धैर्य और आध्यात्मिक अनुशासन, ये सभी जीवन-मूल्य बच्चों को मातृभाषा के माध्यम से सहज, स्वाभाविक और भावपूर्ण रूप से सिखाए जाते हैं। जिस भाषा में बच्चा सोचता है, उसी में रचनात्मकता, आत्मविश्वास, भावनात्मक स्थिरता और आत्मगौरव विकसित होता है। मातृभाषा मानसिक स्वास्थ्य को सुरक्षित करती है और व्यक्तित्व को स्थिर आधार देती है।

स्वामी जी ने कहा कि अपनी मातृभाषा को अगली पीढ़ी तक पहुँचाना, केवल परिवारिक प्रेम का व्यवहार नहीं, बल्कि सांस्कृतिक उत्तराधिकार का हस्तांतरण है। यही हमारी समष्टि-अभिव्यक्ति, यही राष्ट्र चेतना, और यही भारतीय सभ्यता के भविष्य की अनिवार्य जिम्मेदारी है।

मातृभाषा को सुरक्षित रखना, जड़ों से जुड़े रहना, पहचान को संरक्षित रखना और आने वाली पीढ़ियों को आत्मबल व गौरव देना है। यही भारतीय संस्कृति और मूल्यों की रक्षा का हमारा अटल, अखंड और पवित्र संकल्प होना चाहिए।

वी ने की नीयो ज़ीरो फॉरेक्स मार्कअप काड्र्स के साथ की साझेदारी

मंत्र भारत संवाददाता

वाराणसी। वी ने अपने ट्रैवल पोर्टफोलियो को आगे बढ़ाते हुए नीयो के साथ साझेदारी की है, जिसमें ट्रूली अनलिमिटेड आईआर पैक, एक साथ यात्रा करने वाले परिवारों के लिए डिस्काउंटेड आईआर पैक, लाउंज एक्सेस, ट्रैवल इंश्योरेंस और बैगेज प्रोटेक्शन शामिल हैं।

जाने-माने दूरसंचार सेवा प्रदाता वी ने छुट्टियों के इस सीज़न विदेश यात्रा करने वाले वी के उपभोक्ताओं को ज़ीरो मॉर्कअप फॉरेक्स कार्ड डिलीवरी उपलब्ध कराने के लिए ट्रैवल बैंकिंग फिनटेक नीयो के साथ साझेदारी की है। यह एक दूरसंचार कंपनी द्वारा की गई अपनी तरह की पहली साझेदारी हैं। जिसके तहत छुट्टी, काम या शिक्षा के लिए विदेश जाने वाली वी के उपभोक्ताओं को 24 घण्टे के भीतर नीयो ज़ीरो फॉरेक्स मार्कअप कार्ड की होम डिलीवरी मिल सकेगी।

ब्लेंडर्स प्राइड फैशन टूर फैशन की नई क्रांति

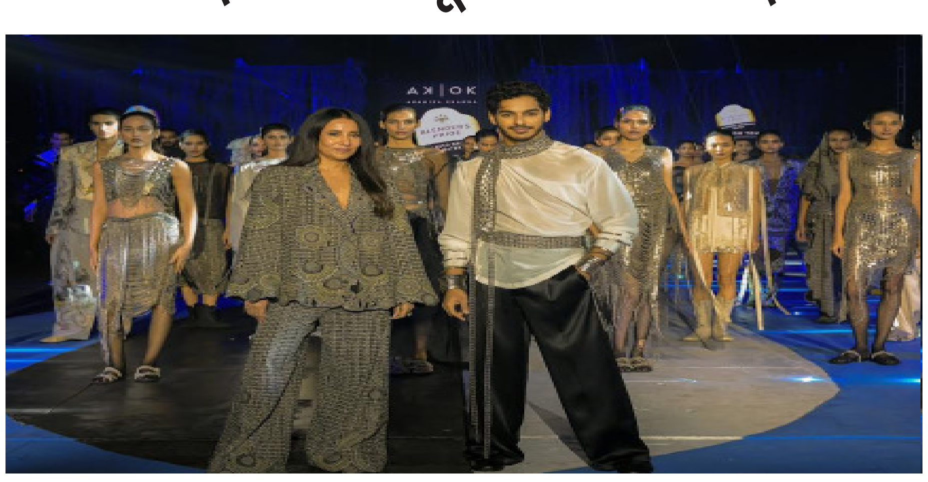

वाराणसी। ब्लेंडर्स प्राइड फैशन टूर ने इस साल के संस्करण का समापन एक ऐसी नई और क्रांतिकारी फैशन कहानी के साथ किया, जिसने पारंपरिक फैशन शिल्प की सीमाओं को तोड़ दिया। प्रतिष्ठित हावड़ा ब्रिज की भव्य पृष्ठभूमि में, और शहर की ऐतिहासिक हुगली नदी को एक शानदार रनवे में बदलते हुए, फिनाले एडिशन में डिज़ाइनर अनामिका खन्ना (एके।ओके) का प्रयोगधर्मी कलेक्शन प्रस्तुत किया गया। शोस्टॉपर के रूप में करिश्माई ईशान खट्टर की मौजूदगी ने इस प्रस्तुति को और खास बना दिया, जिसने परंपरा से आगे बढ़ते हुए फैशन को नए युग में प्रवेश कराया।

पर्नोड रिकार्ड इंडिया की सीएमओ देबस्री दासगुप्ता ने कहा ब्लेंडर्स प्राइड फैशन टूर हमेशा से फैशन और सांस्कृतिक संवाद को नई दिशा देने में अग्रणी रहा है। इस संस्करण के अंतिम अध्याय के रूप में कोलकाता ने वही सार पेश किया, जो फैशन को सचमुच परिवर्तनकारी बनाता है।

किसान दिवस 2025 पर ज़ी टीवी सितारों ने किसानों को किया नमन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। राष्ट्रीय किसान दिवस यानी किसान दिवस के मौके पर ज़ी टीवी के कलाकारों ने देश के किसानों के प्रति सम्मान, आभार और समर्थन जताया। 'गंगा माई की बेटियां' की शुभांगी लाटकर, 'लक्ष्मी निवास' के राजेंद्र चावला, 'जगद्धात्री' की गीता त्यागी और 'वसुधा' की परिणीता बोरठाकुर ने इस खास दिन पर किसानों की मेहनत और योगदान को याद किया। हर साल 23 दिसंबर को मनाया जाने वाला किसान दिवस उन किसानों को समर्पित होता है, जो दिन-रात मेहनत करके मिट्टी से अन्न उगाते हैं और करोड़ों लोगों का पेट भरते हैं।

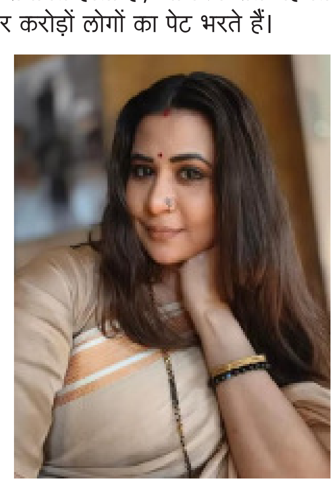

'गंगा माई की बेटियां' में नजर आ रहीं शुभांगी लाटकर कहती हैं, 'इस किसान दिवस पर मैं हर उस किसान को सलाम करना चाहती हूं, जो सुबह तड़के उठकर अपने हाथों और दिल से काम करता है और पूरे देश को भोजन देता है। 'गंगा माई की बेटियां' में मैं एक ऐसी मां का किरदार निभा रही हूं, जो मूल्यों से जुड़ी है, और यही मुझे याद दिलाता है कि हम अपनी ज़मीन को सींचने वालों के कितने कर्जदार हैं।

सेंट लॉरेंस इंटरनेशनल शिक्षण संस्थान लेदूपुर सारनाथ में भव्य वार्षिक उत्सव का हुआ आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

वाराणसी। सेंट लॉरेंस इंटरनेशनल शिक्षण संस्थान लेबूपुर सारनाथ वाराणसी में विद्यालय का बहुप्रतीक्षित वार्षिक समारोह 2025 अत्यंत हर्षोल्लास गरिमा एवं सांस्कृतिक वैभव के साथ आयोजित किया गया। इस वर्ष के कार्यक्रम की थीम श्रीजाम्यहम इंटरनल जर्नी ऑफ़ क्रिएशन रही जो नवरस के माध्यम से सूजन भावना और मानवीय संवेदनाओं की यात्रा को सजीव रूप में प्रस्तुत करती है कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ जिसमें मुख्य अतिथि डॉ0 अखिलेश कुमार एवं डॉ0 विनोद कुमार राय तथा संस्था प्रबंधक गुलाब सिंह यादव ण्श्व्- मंजू यादव की गरिमामयी उपस्थिति रही। इसके पश्चात विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत स्वागत गीत एवं स्वागत नृत्य ने समस्त अतिथियों का आत्मीय अभिनंदन किया कार्यक्रम में नन्हें-मुन्नें बच्चों से लेकर वरिष्ठ कक्षाओं तक के विद्यार्थियों ने नृत्य नाटक योग नवरस आधारित प्रस्तुतियाँ स्केटिंग कराटे एवं पिरामिड प्रदर्शन के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। विशेष रूप से नवरस श्रृंगार, हास्य, करुण, रौद्र वीर भयानक अद्भुत भक्ति एवं शांत रस-पर आधारित प्रस्तुतियों ने दर्शकों को भाव विभोर कर दिया इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या रेखा ऋषिकेश पांडेय द्वारा विद्यालय की वार्षिक गतिविधियों पर प्रकाश डाला गया तथा उन्होंने समारोह के सफल आयोजन हेतु सभी शिक्षकों विद्यार्थियों अभिभावकों एवं आयोजन से जुड़े समस्त सदस्यों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

समारोह का समापन भव्य फिनाले एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ, जिसने उपस्थित सभी जनों में गर्व एवं प्रेरणा का भाव भर दिया जिसमें मुख्य रूप से संस्था प्रबंधक गुलाब सिंह यादव सीएमडी मंजू यादव प्रधानाचार्य रेखा ऋषिकेश पांडे एवं समस्त टीचर्स उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

एसआइआर में पारदर्शिता को लेकर संदेह, जिन्हें मतदाता सूची से बाहर किया जाएगा उनका भविष्य क्या होगा?

बिहार की तर्ज पर अब अन्य राज्यों में भी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) को लेकर सवाल उठने लगे हैं, क्योंकि बड़ी संख्या में लोगों के नाम इस सूची से हटाए जाने की आशंका है। चुनाव आयोग की ओर से हाल में जारी मसौदा सूची में तमिलनाडु में 97.40 लाख और गुजरात में 73.73 लाख मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं।

लोगों को मतदाता सूची से बाहर रखने के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें समय पर आवश्यक दस्तावेज दर्ज न कराना भी शामिल है। अंतिम सूची जारी होने से पहले ऐसे लोगों को अपनी आपत्तियां और दावे पेश करने का मौका दिया जाएगा और संभव है कि कई मतदाताओं के नाम फिर से जुड़ जाएंगे।

मसौदा सूची के आंकड़ों पर गौर किया जाए, तो उससे यही लगता है कि नाम दर्ज कराने के आखिरी अवसर के बाद भी बड़ी संख्या में लोग इस सूची से बाहर रह जाएंगे। सवाल है कि अगर इन लोगों के पास मतदान की पात्रता नही है, तो पहले इनका नाम क्यों और कैसे मतदाता सूची में था? बिहार में एसआइआर की प्रक्रिया को लेकर सबसे पहले पहचान पत्र के मसले पर विवाद पैदा हुआ था। चुनाव आयोग ने आधार कार्ड को नागरिकता का पहचान पत्र मानने से इनकार दिया था। बाद में सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर आधार को पहचान पत्र के दस्तावेजों में शामिल किया गया। बिहार में भी मसौदा सूची में करीब पैंसठ लाख मतदाताओं के नाम हटा दिए गए थे। हालांकि बाद में उसमें कई नाम जोड़े गए, इसके बावजूद अंतिम सूची में करीब सैंतालीस लाख लोग मतदाता सूची से बाहर हो गए।

शीर्ष अदालत ने इस पर सूची से हटाए गए लोगों का कारण सहित विस्तृत ब्योरा मांगा। यही स्थिति अब अन्य राज्यों में भी देखने को मिल रही है। इस सबके बीच विशेष पुनरीक्षण की प्रक्रिया में पारदर्शिता और चुनाव आयोग की विश्वसनीयता को भी कसौटी पर कसा जा रहा है। पश्चिम बंगाल में तो मसविदा सूची से हटाए गए लोगों का सत्तारूढ़ दल ने अपने स्तर पर सत्यापन करने की मुहिम शुरू कर दी है। ऐसे में यह सवाल महत्त्वपूर्ण हो जाता है कि आखिर चुनाव आयोग पर आम लोगों और राजनीतिक दलों का भरोसा क्यों डगमगाने लगा है?

इसमें दोराय नहीं है कि चुनावी प्रक्रिया की शुचिता बनाए रखने के लिए मतदाता सूची में समय-समय पर संशोधन कर अपात्र लोगों या मृतकों के नाम हटाए जाने जरूरी है। मगर इस प्रक्रिया में पारदर्शिता का पैमाना भी उतना ही आवश्यक है, ताकि न तो किसी के मन में कोई आशंका रहे और न ही कहीं से कोई सवाल उठने की गुंजाइश बचे। यह चुनाव आयोग की प्राथमिक जिम्मेदारी है कि अगर किसी को कोई आशंका हो, तो उसका तत्काल निराकरण किया जाए। ऐसा न होने पर आयोग की विश्वसनीयता पर अंगुली उठना स्वाभाविक है।

एक अहम सवाल यह भी है कि जिन लोगों को मतदाता सूची से बाहर कर दिया जाएगा, उनका भविष्य क्या होगा? क्या वे देश के नागरिक बने रहेंगे या नहीं, क्योंकि देश के हर नागरिक को मतदान का अधिकार है और जब उनका यही अधिकार खत्म हो जाएगा, तो उनकी नागरिकता पर भी देर-सवेर सवाल उठेगा ही। यह चिंता इसलिए गंभीर है, क्योंकि देश भर में गहन पुनरीक्षण के दौरान मतदाता सूची से बाहर होने वाले लोगों की संख्या करोड़ों में हो सकती है। चुनाव आयोग और सरकार को इस पहलू को भी ध्यान में रखना होगा।

कालीन भैया जैसा जौनपुर के कोडिन भइया कौन?

कफ़ सिरप को लेकर योगी-अखिलेश में भिड़ंत की पूरी कहानी क्या है

कोडिन खांसी की सिरप में इस्तेमाल होने वाली एक दर्द निवारक दवा जो मौजूदा समय में उत्तर प्रदेश की राजनीति का सबसे बड़ा कीवर्ड है। जिस पर सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों लड़े जा रहे हैं। अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर मिर्जापुर के कालीन भैया की तरह जौनपुर में कोडिन भैया को संरक्षण देने का आरोप लगाया तो जवाब में योगी आदित्यनाथ ने आरोपियों को समाजवादी पार्टी से जुड़ा हुआ बता दिया। कोडिन भैया को लेकर दोनों तरफ से पोस्टर वार जारी है। सोशल मीडिया पर तस्वीरें छाई हुई हैं। दोनों तरफ से जमकर बयानबाजी हो रही है। लेकिन इन सबके बीच सवाल यह है कि आखिर यह कोडन कफ सिरप का मामला क्या है और अखिलेश यादव कोडन भैया के जरिए किस पर तंज कस रहे हैं।

पिछले साल फरवरी में, राज्य सरकार ने खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) और विशेष कार्य बल (एसटीएफ) को संयुक्त जांच का आदेश दिया था। यह जांच इस आरोप के संबंध में की गई थी कि कफ सिरप और कोडीन आधारित अन्य दवाओं का अवैध रूप से भंडारण किया जा रहा था और उन्हें विभिन्न राज्यों और सीमा पार तस्करी करके नशीले पदार्थों के रूप में बेचा जा रहा था। मध्य प्रदेश स्थित केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो से मिली महत्वपूर्ण जानकारी के आधार पर, दवा निरीक्षकों ने हिमाचल प्रदेश के दो दवा निर्माताओं, उत्तराखंड के तीन निर्माताओं, हरियाणा के एक डिपो और झारखंड के रांची स्थित एक बहुराष्ट्रीय कंपनी के मुख्य स्टॉकधारक पर विस्तृत जांच की। इसके अलावा, औषधि विभाग ने 279 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया और अधिकारियों ने कोडीन आधारित कफ सिरप के निर्माण,

भंडारण, खरीद, बिक्री और वितरण से संबंधित महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए। जांच में यह भी पता चला कि यह रैकेट वाराणसी, गाजियाबाद और आसपास के क्षेत्रों में व्यापक रूप से फैला हुआ था, जहां यह गतिविधि अन्य जिलों की तुलना में अधिक संगठित और नियमित प्रतीत होती थी।

एसटीएफ अधिकारियों ने सबसे पहले झारखंड की एक कंपनी का पता लगाया, जिसने कथित तौर पर एक निर्माता से लगभग 100 करोड़ रुपये मूल्य की कफ सिरप खरीदी थी, जो अब बंद हो चुकी है। इसके बाद सिरप की कथित तौर पर झारखंड के रास्ते बांग्लादेश में तस्करी की गई। यह भी पता चला कि कंपनी कथित तौर पर उत्तर प्रदेश के कुछ लोगों द्वारा चलाई जा रही थी। जांचकर्ताओं ने कार्यप्रणाली समझाते हुए बताया कि कंपनी फर्जी बिलों का इस्तेमाल करके और केवल कागजों पर मौजूद प्रतिष्ठानों को सूचीबद्ध करके उत्तर प्रदेश में बिक्री को गलत तरीके से दर्ज करती थी, जिससे स्टॉक की आवाजाही को छिपाने के लिए प्रॉक्सी लेनदेन किए जाते थे। कई मामलों में आवश्यक खरीद-बिक्री रजिस्टर गायब थे, जो स्टॉक के प्रवाह को जानबूझकर छिपाने के प्रयासों की ओर इशारा करते हैं। जांचकर्ताओं का मानना है कि बड़ी मात्रा में ये हेराफेरी की गई दवाएं अवैध तस्करी नेटवर्क में प्रवेश कर रही थीं। दुरुपयोग विशेष रूप से लखनऊ, लखीमपुर खेरी और बहराइच को जोड़ने वाले मार्गों पर व्यापक रूप से फैला हुआ प्रतीत हुआ, जहां से आपूर्ति नेपाल में तस्करी की जा रही थी। वाराणसी और गाजियाबाद में भी इसी तरह के पैटर्न देखे गए, जहां तस्करी के मार्ग बांग्लादेश तक फैले हुए बताए जाते हैं। हिमाचल से कफ सिरप मंगाया जाता। गाजियाबाद के गोदाम में रखा जाता और फिर बिहार, बंगाल, नेपाल और बांग्लादेश तक इसकी तस्करी होती। जब मामला खुला तो आरोपियों के नाम सामने आए और फिर वायरल होनी शुरू हुई तस्वीरें।

शुभम जायसवाल, अमित सिंह टाटा और आलोक सिंह की तस्वीरें जौनपुर के पूर्व सांसद और बाहुबली नेता धनंजय सिंह के साथ वायरल होने लगी। कई सोशल मीडिया पोस्ट में धनंजय सिंह ने अमित सिंह टाटा, आलोक सिंह और शुभम जायसवाल को अपना छोटा भाई बताया। अलग-अलग इंटरव्यूज में भी धनंजय ने तीनों के साथ अपने रिश्ते को नकारा नहीं। लेकिन उनका यह भी कहना है कि उन्हें इस पूरे सिंडिकेट की कोई जानकारी नहीं थी। समाजवादी पार्टी ने आरोप लगाया कि इन आरोपियों को धनंजय सिंह के जरिए यूपी सरकार का संरक्षण प्राप्त है। अखिलेश यादव ने एक इंटरव्यू के दौरान तंज कसा कि मिर्जापुर में कालीन भैया और जौनपुर में कोडिन भैया हैं। अखिलेश यादव ने खुलकर धनंजय सिंह का नाम नहीं लिया लेकिन सबको पता है कि वह जौनपुर में किसकी बात कर रहे हैं। अखिलेश यादव ने बुलडोजर कारवाई पर भी तंज कसा और कहा कि इन आरोपियों के घरों पर अब तक बुलडोजर कारवाई क्यों नहीं हुई?

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोडीन युक्त कफ सिरप के मुद्दे पर विपक्षी दल समाजवादी पार्टी को घेरा और कहा कि समय आने पर बुलडोजर एक्शन भी होगा। सीएम ने कहा कि आप इसकी गहराई में जाएंगे तो घूम फिरकर वही मामला है, कहीं न कहीं वो सब समाजवादी पार्टी नेता या उनसे जुड़ा हुआ कोई न कोई व्यक्ति सामने आता है। कोई भी अपराधी छूटने नहीं पाएगा, चिंता मत करिए। सदन में चर्चा के दौरान सीएम योगी ने दिल्ली और यूपी के नेताओं की तुलना करते हुए कहा कि देश में दो 'नमूने' हैं, जिनमें से एक यहां बैठते हैं। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उन्हें लगता है कि यहां वाले 'बबुआ' भी जल्द ही इंग्लैंड की सैर सपाटे पर चले जाएंगे। उत्तर प्रदेश सरकार में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या ने भी आरोपियों की तस्वीर अखिलेश यादव के साथ शेयर की। कोडिन कप सिरप के मामले में सरकार बहुत गंभीरता पूर्वक कारवाई कर रही है। जो भी इस मामले में दोषी अपराधी होंगे वह बख्शे नहीं जाएंगे।

उत्तर प्रदेश पुलिस ने इस मामले में पहली एफआईआर 18 अक्टूबर को सोनभद्र में कोडीन कफ सिरप की 1 लाख से अधिक बोतलों से भरे दो ट्रकों को रोककर दर्ज की थी। मौके पर ही तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया था। आरोपियों से पूछताछ के दौरान जांचकर्ताओं को नई जानकारी मिली जिससे पता चला कि इसमें एक बड़ा गिरोह शामिल था। इन सुरागों के आधार पर गाजियाबाद पुलिस ने सोनभद्र पुलिस के साथ संयुक्त अभियान शुरू किया। गाजियाबाद में संयुक्त छापेमारी में 15 लाख से अधिक सिरप की बोतलें जब्त की गईं और आठ और लोगों को गिरफ्तार किया गया। कुल मिलाकर, 52 जिलों में 332 फर्मों पर छापे मारे गए हैं और 31 जिलों में 133 फर्मों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई हैं। ये एफआईआर एनडीपीएस अधिनियम सहित विभिन्न कानूनों के तहत दर्ज की गई हैं। इनमें वाराणसी में 38 मामले, अलीगढ़ में 16, कानपुर में 8, गाजियाबाद में 6, महाराजगंज और लखनऊ में 4-4 और अन्य जिलों में 52 मामले शामिल हैं।

क्षमा वहीं तक उचित है, जहां हमारी गरिमा सुरक्षित रहे

जीवन के हर मोड़ पर व्यक्ति अनेक भूमिकाएं निभाता है- पुत्र, मित्र, शिक्षक, कर्मचारी, नागरिक। इन सभी पहचानों के बीच एक पहचान ऐसी है जो सबसे स्थायी है- स्वयं की। आत्मसम्मान उसी पहचान का मूल है। यह वह मौन शक्ति है जो व्यक्ति को परिस्थितियों के आगे झुकने नहीं देती, बल्कि उन्हें आकार देने की प्रेरणा देती है। आत्मसम्मान वह अदृश्य दीपक है, जो भीतर जलता है और अंधकार के समय दिशा दिखाता है।

इसका अर्थ है स्वयं को स्वीकारना, अपनी क्षमताओं को पहचानना और जीवन के प्रति गरिमा का भाव बनाए रखना। यह अहंकार नहीं, बल्कि आत्म-स्वीकार की परिपक्वता है। अहंकार दूसरों को नीचा दिखाकर खुद को ऊंचा महसूस करता है, जबकि आत्मसम्मान स्वयं को गरिमा से ऊंचा उठाता है। यह उस व्यक्ति की पहचान है जो कहता है कि 'मैं जैसा हूं, वैसा ही पर्याप्त हूं।'

कभी-कभी जीवन में ऐसे लोग मिलते हैं, जो बार-बार हमें चोट पहुंचाते हैं, अपमानित करते हैं, और फिर एक साधारण 'सारी' या 'माफी' कहकर अपनी जिम्मेदारी से बच जाते हैं। वे वही गलती दोहराते रहते हैं और उम्मीद करते हैं कि हम हमेशा की तरह माफ करते रहेंगे। पर हर 'सारी' रिश्ते को नहीं जोड़ती। क्षमा तभी अर्थपूर्ण होती है, जब सामने वाला अपनी गलती की गहराई सच में समझे।

आत्मसम्मान का अर्थ कठोर होना नहीं है, बल्कि यह जानना है कि क्षमा वहीं तक उचित है, जहां हमारी गरिमा सुरक्षित रहे। जब किसी की गलती इतनी गहरी हो कि उसे भूलना खुद के साथ अन्याय लगे, तब दूरी बनाना गुस्सा नहीं, अपनी मानसिक शांति और स्वाभिमान की रक्षा करना होता है। दूसरों को माफ करना अच्छा है, पर खुद को भूल जाना कभी नहीं।

इसी तरह, जब कार्यस्थल पर हमारी मेहनत को बार-बार नजरअंदाज किया जाता है, हमारी योग्यता को महत्त्व नहीं दिया जाता या हमारा योगदान किसी और के नाम कर दिया जाता है, तो चुप रहकर सब लंबे समय तक सहना विनम्रता नहीं, बल्कि अपने मूल्य को कम आंकना है। वहां अपनी काबिलियत के लिए शांत, पर दृढ़ आवाज उठाना ही सच का पक्ष और स्वाभिमान की रक्षा बन जाता है।

रिश्तों में भी कई बार हम अनजाने में ऐसी आदत पाल लेते हैं कि हर बहस के बाद 'माफी' हम ही बोलते हैं, चाहे गलती सामने वाले की हो। हम सोचते हैं कि इससे रिश्ता बचेगा, पर धीरे-धीरे हम खुद को खोने लगते हैं। इस चक्र को रोकना, अपनी बात, अपने दर्द और सम्मान को तवज्जो देना दरअसल अपनी कद्र करना है। कुछ स्थितियों में गलत व्यवहार इतना गहरा होता है कि शब्द बेअसर हो जाते हैं। वहां चुप्पी ही सबसे मजबूत जवाब बन जाती है।

जब कोई व्यक्ति हमें सिर्फ तब याद करे, जब उसे हमारी जरूरत हो, काम निकालना हो, सहानुभूति चाहिए हो, या अकेलापन बांटना हो, पर हमारी जरूरत के समय वह हमेशा गायब मिले, तो ऐसे रिश्तों से दूरी बनाना भी स्वाभिमान का ही हिस्सा है। खुद को हर समय उपलब्ध न कराना, अपनी ऊर्जा और भावनाओं की रक्षा करना, और यह समझना कि हर कोई हमारे दिल तक पहुंचने का अधिकार नहीं रखता, यही आत्मसम्मान की असली शुरुआत है। सच तो यही है कि स्वाभिमान वहीं बचता है, जहां हम खुद को खोने से पहले रुकना और अपनी गरिमा को प्राथमिकता देना सीखते हैं।

आत्मसम्मान केवल दूसरों से व्यवहार का विषय नहीं, बल्कि स्वयं के प्रति दृष्टिकोण का विषय है। जब कोई व्यक्ति गलती करता है

और बिना बहाने के 'हां, मुझसे भूल हुई' कहने की हिम्मत रखता है, वह आत्मसम्मानित होता है। जब कोई अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं करता, चाहे सामने लाभ ही क्यों न हो, वह आत्मसम्मान जी रहा होता है।

हम अक्सर सोचते हैं कि आत्मसम्मान केवल बड़े निर्णयों में दिखता है, पर सच्चाई यह है कि यह हमारी रोजमर्रा की आदतों में बसता है। जब कोई विद्यार्थी नकल से इनकार करता है, कोई महिला अपने अधिकार के लिए बोलती है, या कोई व्यक्ति अपमानित होकर भी शांत और संयमित रहता है, तो ये सभी आत्मसम्मान के जीवंत उदाहरण हैं।

आज सोशल मीडिया और तुलना की दुनिया में लोग अपनी कीमत 'लाइक' और 'फालोअर्स' से मापने लगे हैं। पर आत्मसम्मान हमें सिखाता है कि पहचान भीतर से आती है, बाहर से नहीं। जो व्यक्ति खुद पर भरोसा रखता है, वही दूसरों को प्रेरणा दे सकता है। आत्मसम्मान हमें मानसिक रूप से सशक्त बनाता है। यह चिंता, असुरक्षा और आत्मसंदेह से बचाता है। जब हम खुद को स्वीकारते हैं, तब हम दुनिया की अपेक्षाओं में उलझते नहीं, बल्कि अपने जीवन की दिशा खुद तय करते हैं। यह एक ऐसा मौन कवच है, जो हमें हर असमानता, उपेक्षा और अपमान से बचाता है।

जीवन का सबसे बड़ा संतोष यह नहीं कि दुनिया हमें कितना सम्मान देती है, बल्कि यह है कि हम स्वयं को कितना सम्मान देते हैं। आत्मसम्मान कोई पदक नहीं है, जिसे कोई और दे। यह आत्म-निर्णय है कि चाहे परिस्थिति कैसी भी हो, मैं अपनी गरिमा से समझौता नहीं करूंगा। कभी-कभी जीवन हमें ऐसे मोड़ पर लाकर खड़ा करता है, जहां चुप रहना आसान होता है, पर स्वयं का सम्मान बचाना कठिन।

ऐसे क्षणों में याद रखना चाहिए कि दुनिया की नजरों में हार जाना भी स्वीकार्य है, अगर अपने भीतर हम विजेता हैं। आत्मसम्मान वही रोशनी है जो हमें हर अंधेरे से पार ले जाती है। जब हम खुद का सम्मान करना सीख लेते हैं, तब हमें किसी और से स्वीकृति मांगने की आवश्यकता नहीं रहती, क्योंकि जो अपने भीतर की गरिमा को पहचान लेता है, वही सच्चे अर्थों में जीवन जीता है।

नई योजना और रोजगार की चुनौतियां, क्या नाम बदलने से सार्थकता साबित होगी?

भारत तरक्की कर रहा है, आंकड़ों से अर्शशास्त्री यही बताते हैं। निस्संदेह भारत दुनिया की बड़ी आर्थिक महाशक्ति है। उम्मीद जताई जा रही है कि आने वाले समय में देश तीसरी आर्थिक महाशक्ति बन जाएगा और 2047 में जब आजादी का शताब्दी वर्ष मनाएंगे, तब हम पूरी तरह से एक विकसित राष्ट्र होंगे। उस समय हर आदमी यथोचित रोजगार के साथ अच्छा भोजन करेगा, अच्छा पहनेगा और खुशहाली के शिखर पर होगा। यह है सपना।

ऐसा अगर लोग स्वाधीनता का अमृत महोत्सव के बाद भी सोचते हैं, तो कारणों की तलाश करनी पड़ेगी। पिछले दिनों कहा गया कि हम देश से बेरोजगारी मिटा देंगे। बेरोजगारी की भूख अनुकंपा के सस्ते राशन से मिटा दी जाएगी। मगर युवा पीढ़ी जो इस देश की आधी आबादी है, वह काम चाहती है। यह कड़वी सच्चाई है कि बड़ी संख्या में युवा आज भी बेरोजगार हैं।

नए सर्वेक्षणों ने बताया है कि इस कृषि प्रधान देश में ग्रामीण बेरोजगारी की दर बढ़ने लगी है। ग्रामीण इलाकों में आज भी बेरोजगारी बहुत बड़ी समस्या है। क्या मनरेगा का बदला रूप 'वीबी-जी राम जी' इस चुनौती का मुकाबला कर पाएगा, यह कहना मुश्किल है, क्योंकि गांवों में योजना का नया कलेवर नहीं, काम चाहिए।

अब जरूरत है कि देश में नागरिकों को काम के उचित अवसर मिलें। यूपीए सरकार के समय सबसे अच्छी योजना मनरेगा को ही बताया जाता था। यह फरवरी 2006 में लागू हुई थी। इसमें आवेदन करने पर पंद्रह दिन के अंदर रोजगार देना अनिवार्य होता था। आंकड़े बताते हैं कि इस पर अब तक 11.74 लाख करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं। वर्ष 2014 से राजग सरकार के कार्यकाल में भी इस पर 7.8 लाख करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। हालांकि इसमें केवल सौ दिन का काम दिया जाता है। कई बार तो मजदूरों को औसत पचास दिन ही काम मिला। फिर भी मनरेगा वर्ष 2014 से अब तक आठ करोड़ लोगों को ही रोजगार दे पाई।

अब केंद्र सरकार ने संसद में नया ग्रामीण रोजगार विधेयक पारित किया है। ग्रामीणों को रोजगार के लिए 20 साल के बाद योजना को एक नया कलेवर दिया गया है। इसकी शुरुआत नाम बदलने से हुई। इस योजना का नया नाम है- विकसित भारत-जी राम जी। जबकि इससे पहले इसे महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना कहा जाता था।

कुल जमा ये कि नई योजना ने रूप बदला है। पहले सौ दिन काम मिलता था, लेकिन अब 125 दिन काम मिलेगा, लेकिन दिहाड़ी वही रहेगी। पहले इस योजना पर सौ फीसद पैसा केंद्र सरकार खर्च करती थी। अब इसमें 60 फीसद योगदान केंद्र देगा। जबकि 40 फीसद राज्य सरकारें देंगी। पहले इस योजना में आवेदन करने पर 15 दिन के भीतर काम मिलता था। मगर अब काम न मिलने पर राज्य सरकार बेरोजगारी भत्ता देगी। मनरेगा ग्रामीण गरीबी दूर करने के लिए था। फिलहाल 'वीबी-जी राम जी' को विकसित भारत का हिस्सा बना कर देखा जा रहा है।

नई योजना की डिजिटल निगरानी होगी। ग्रामीण रोजगार गारंटी परिषदें बनेंगीं। संचालन समितियां बनेंगी। ग्राम पंचायत स्तर पर बनने वाली योजनाओं को 'पीएम-विकास गतिशक्ति' से जोड़ देंगे। अब सवाल है कि इस परिवर्तन की जरूरत क्यों पड़ी? संसद में विधेयक पारित भी हो गया है। इससे पहले इस पर सत्तापक्ष और विपक्ष की जम कर बहस हुई।

सत्तापक्ष का कहना था कि मनरेगा दिशाहीन था और इसमें ऐसा था कि पहले गड्ढे खोदो, फिर उन्हें भर दो। मुख्य उद्देश्य था गरीब परिवार के एक सदस्य को सौ दिन काम देकर मेहनताना देना। अब यह नई योजना दिशाहीन नहीं रहेगी, क्योंकि सरकार का मत है कि गांवों में परिवर्तन आ गया है। भुखमरी कम हो गई है, ग्रामीण बेरोजगारी इतनी बड़ी चुनौती नहीं रही। मगर सच से कैसे इनकार किया जा सकता है? चुनौती तो अब भी है!

सरकार का यह भी कहना है कि ग्रामीण भारत की सामाजिक और आर्थिक संरचना बदल रही है। वहां डिजिटल भुगतान पहुंच गया है। बैंक पहुंच गए हैं। बेहतर संपर्क है, लेकिन मनरेगा में फर्जीवाड़ा हो रहा था। योजना की राशि का दुरुपयोग हो रहा था। यह भी कहा जा रहा है कि पंजाब जैसे राज्यों में इतनी कम दिहाड़ी पर मजदूर काम करने के लिए राजी नहीं। इसलिए वहां फर्जी आंकड़ों से भुगतान हो रहे हैं।

विशेषज्ञ कहते हैं कि वर्ष 2024-25 में इस योजना में 194 करोड़ रुपये का घपला हुआ और केवल 7.6 फीसद ग्रामीण परिवार ही सौ दिन का रोजगार पा सके, लेकिन अब माहौल बदल जाएगा। फर्जीवाड़ा रुकेगा। अब यह चुस्त-दुरुस्त और नए कलेवर वाली योजना बनेगी, जिस पर बाकायदा काम होगा। श्रम बल को राष्ट्र निर्माण से जोड़ा जाएगा। यह यथार्थवादी योजना होगी। जब गांवों में फसल बिजाई और फसल कटाई का भरपूर आंशिक योगदान मिलने की परिस्थितियां पैदा हो जाती हैं, तो यह योजना समांतर रोजगार देना स्थगित कर देगी। बाद में लक्ष्यबद्ध तरीके से कार्यबल का इस्तेमाल किया जाएगा जो ग्रामीण जीवन का कायाकल्प कर देगा।

दूसरी ओर विपक्ष के अपने तर्क हैं कि क्या यही नया कलेवर मनरेगा को नहीं दिया जा सकता था? क्या उसे निश्चित उद्देश्यों के साथ लक्ष्यबद्ध नहीं किया जा सकता था। फिर जरूरी तो यह था कि महंगाई की दर देखते हुए कार्यबल के पारिश्रमिक में वृद्धि कर दी जाती। वृद्धि तो की नहीं, केवल काम के 25 दिन बढ़ा दिए।

राज्य सरकारें तो पहले ही अपने खाली खजाने का रोना रो रही हैं। उनका यह कहना है कि ग्रामीण विकास कोष से लेकर जीएसटी तक में से उन्हें उनका उचित भुगतान नहीं मिलता। मुआवजा नहीं मिलता। अब उन पर इस योजना के योगदान का 40 फीसद भार भी डाल दिया गया है। राज्य सरकारें तो अधिक आर्थिक सहायता की उम्मीद केंद्र से कर रही थीं, लेकिन यहां एक और दायित्व उन पर आ गया कि अगर ग्रामीण विकास को तेजी देनी है, तो आगे बढ़ो और केंद्र सरकार के साथ योगदान करो। यह भी कहा गया कि पंजाब ही नहीं, बल्कि बंगाल में भी इस कोष का भारी दुरुपयोग हुआ। इसलिए नया विधेयक लाया गया।

यह योजना क्या काम करेगी, इसे स्पष्ट किया गया है। यह मूलभूत बुनियादी ढांचा बनाएगी। आजीविका के लिए पूंजी का निर्माण करेगी और प्रदूषण से निपटने का कार्य करेगी। यह निराशाजनक है कि इस पर गंभीर चर्चा नहीं हुई। इसका नाम बदलने पर ही बहस होती रही। शेक्सपियर ने कहा था कि नाम में क्या रखा है! मगर अब तो लगता है कि नाम में ही सब कुछ रखा है। सच तो यही है कि साम, दाम, दंड, भेद के साथ अपना नाम रोशन करने की यह जिद है। बड़ी-बड़ी घोषणाएं कर इसे उत्सव की तरह मनाया जाता है। सत्ता की यह नई संस्कृति बनती जा रही है।

ग्रामीण रोजगार संबंधी इस योजना को सार्थक बनाना है, तो उसके लिए आर्थिक आबंटन भी बढ़ना चाहिए। नई योजना में केंद्र सरकार ने आर्थिक आबंटन तो बढ़ाया नहीं, अलबत्ता राज्य सरकारों पर बोझ जरूर डाल दिया गया है। अब जिस प्रकार संवादहीनता गैर-भाजपा सरकारों और केंद्र के बीच चलती है, या जहां 'डबल इंजन' सरकारें नहीं हैं, वहां इस नई योजना का भविष्य क्या होगा, यह विचारणीय है। क्या योजना का नाम बदलने भर से सार्थकता साबित होगी?

एंटी रोमियो टीम द्वारा महिलाओं को किया गया जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। महिला एंव बाल सुरक्षा संगठन, उ0प्र0 लखनऊ द्वारा चलाए जा रहे बाल श्रम, बाल भिक्षावृत्ति, मादक पदार्थो एवं मानव तस्करी की रोकथाम एवं बन्धुआ मजदूर से लोगों को मुक्त कराने के अभियान के अन्तर्गत अभिमन्यु मांगलिक, पुलिस अधीक्षक भदोही के कुशल निर्देशन में एवं शुभम अग्रवाल, अपर पुलिस अधीक्षक भदोही के पर्यवेक्षण में थाना ए0एच0टी0 व थाना दुर्गागंज एंटी रोमियो टीम द्वारा 'थाना दुर्गागंज क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम नीवीं में जनजागरूकता हेतु चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया । जिसमें गांव की महिलाओ को बालश्रम, बाल भिक्षावृत्ति, मादक पदार्थों, व मानव तस्करी की रोकथाम संबंधित जानकारी देकर जागरूक किया गया तथा पोस्टर चस्पा कर इमरजेंसी सहायता हेतु शासन एवं प्रशासन द्वारा जारी टोल फ्री हेल्प लाइन नंम्बरों 108, 112, 1090, 1930, 1098, 1076, 181 आदि के सम्बन्ध में जागरूक किया गया ।

औराई में पुलिस मुठभेड़, 25 हजार का इनामी गोली लगने से घायल, दो गिरफ्तार

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जिले की औराई कोतवाली क्षेत्र में सोमवार तड़के पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस ने 25 हजार रुपये के इनामी अंतर्जनपदीय वांछित अपराधी शिवम भारतीय एवं उसके साथी मोनू तिवारी (दोनों निवासी प्रयागराज) को गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ के दौरान पुलिस की जवाबी फायरिंग में शिवम भारतीय के बाएं पैर में गोली लगी है।

पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के अनुसार थाना औराई पुलिस एवं एसओजी की संयुक्त टीम सोमवार रात उगापुर नहर पुलिया से करीब 100 मीटर आगे ज्ञानपुर की ओर संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु व वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि वांछित बदमाश इलाके में मौजूद हैं। पुलिस द्वारा घेराबंदी किए जाने पर बदमाशों ने जान से मारने की नीयत से तमंचे से फायरिंग शुरू कर दी।

पुलिस की आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्रवाई में अभियुक्त शिवम भारतीय

(निवासी पीरकाजी, थाना फूलपुर, प्रयागराज) के बाएं पैर में घुटने के नीचे गोली लग गई। घायल अवस्था में उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र औराई भेजा गया, जहां उसकी हालत सामान्य बताई जा रही है। मौके से उसके साथी मोनू तिवारी, निवासी महाराज की चकिया, थाना थरवई, प्रयागराज को भी गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से एक देशी तमंचा 315 बोर, एक जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस, पूर्व की घटना में प्रयुक्त चाकू तथा काले रंग की बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल बरामद की गई है। मुठभेड़ में घायल अभियुक्त शिवम भारतीय के खिलाफ भदोही, प्रयागराज सहित अन्य जनपदों में 18 से अधिक आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। घटना के बाद फॉरेंसिक टीम व फील्ड यूनिट ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य संकलन किया। पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

बाउंड्रीवाल तोड़ने को लेकर दो पक्षों में जमकर चले ईट पत्थर चार घायल

मंत्र भारत संवाददाता

गोपीगंज। कोतवाली के अमिलौर गांव मे बाउंड्रीवाल के विवाद में जमकर ईट पत्थर, चलने से चार लोग घायल हो गए।

घटना के बारे में बताया जाता है एक पक्ष की बाउंड्री हाल ही में बनवाई गई थी इस बात को लेकर सोमवार को सुबह ही दूसरा पक्ष उक्त विवादित भूमि पर पहुंच गया और वाद विवाद का दौर शुरू हो गया इसी बीच एक पक्ष के द्वारा बाउंड्री वाल को ध्वस्त कर दिया गया इसके बाद दोनों पक्षों से धुआंधार ईट पत्थर चलने शुरू हो गए जिसमें एक पक्ष के रामचंद्र चौबे 80, कृष्णकांत चौबे 51 तथा दूसरे पक्ष से आदित्य चौबे 22 पुत्र संतोष चौबे तथा मन्ना देवी 65 वर्ष पत्नी लालमणि निवासी जंखाव घायल हो गई।सूचना पर पहुंची पुलिस घायलो सरकारी एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेज दिया दोनों पक्ष से कार्यवाही के लिए थाने मे तहरीर दे दी गई है पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर कार्रवाई कर रही है।

जिला जज, एसपी, एडीएम द्वारा जिला कारागार का निरीक्षण पश्चात वितरित किया गया कंबल व ईनर

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जिला कारागार का मासिक निरीक्षण जिला जज अखिलेश दुबे, पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक व अपर जिलाधिकारी कुंवर वीरेंद्र मौर्य द्वारा किया गया। जिला कारागार, ज्ञानपुर में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में जेपी हॉस्पिटल के प्रबंध निदेशक डॉ रत्नेश पाण्डेय की पहल पर सिस्को के प्रबंध निदेशक आशुतोष तिवारी भदोही द्वारा 100 कैदियों को निःशुल्क कंबल एवं इनर का वितरण किया गया। इनका वितरण जिला जज अखिलेश दुबे, पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक, सीजेएम आनंद मिश्रा, व अपर जिलाधिकारी कुंवर वीरेंद्र मौर्य द्वारा किया गया।

इस पहल का नेतृत्व जेपी हॉस्पिटल के प्रबंध निदेशक डॉ. रत्नेश पाण्डेय की प्रेरणा पर सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने वाली संस्था सिस्को के प्रबंध निदेशक आशुतोष तिवारी द्वारा किया गया, जिन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य जेल में बंद बंदियों को ठंड से सुरक्षित रखने के लिए किया गया। यह केवल सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि एक नैतिक कर्तव्य भी है।

जिले के जंगीगंज में स्थित जेपी हॉस्पिटल हमेशा से जनहित में कार्य करता आ रहा है। इससे पूर्व अस्पताल द्वारा महिलाओं को निःशुल्क सैनिटरी पैड का वितरण, जिला जेल में चश्मे का वितरण, भारत सरकार के 'टीबी मुक्त भारत' अभियान में सक्रिय सहभागिता की जा चुकी है। जिला कारागार अधीक्षक अभिषेक सिंह व अन्य की गरिमामयी उपस्थिति रही।

किसान सम्मान दिवस पर जनपद के तीन प्रगतिशील कृषकों को मुख्यमंत्री लखनऊ में करेंगे सम्मानित

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। उप कृषि निदेशक भदोही डॉ अश्वनी सिंह द्वारा बताया गया कि भू0पू0 प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी के जन्म दिवस 23 दिसम्बर 2025 को किसान सम्मान दिवस का आयोजन पूर्व की भांति किया जा रहा है। जिसमें किसानों को विभिन्न फसलों में सर्वाधिक उत्पादकता प्राप्त करने वाले किसानों को सम्मानित भी किया जाता है। इसी क्रम में जनपद भदोही से 03 किसानों को विभिन्न फसलों में राज्य में सर्वाधिक उत्पादन प्राप्त करने पर उत्तर प्रदेश कृषि भवन, लखनऊ में आयोजित राज्य स्तरीय किसान सम्मान समारोह में सम्मानित किया जायेगा।

जनपद भदोही से सर्वाधिक उत्पादकता वाले कृषकों में पिपरी निवासी श्री हीरालाल यादव को सरसों उत्पादन में प्रथम स्थान, तुलसी चक निवासी श्री राजबली यादव को ज्वार में प्रथम स्थान, उमरी निवासी श्री अनिल कुमार को ज्वार में द्वितीय स्थान पर चयन किया गया है।

जनपद के तीनों सम्मानित कृषकों को दिनांक 23 दिसम्बर 2025 को राज्य स्तर पर आयोजित किसान सम्मान समारोह में मा0 मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा सम्मानित किया जायेगा। भदोही जनपद के लिए यह एक गौरव की बात है।

साथ ही जनपद स्तर पर कृषि, उद्यान, मत्स्य एवं पशुपालन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कृषकों को 23 दिसम्बर 2025 को चित्रांगन लान ज्ञानपुर में आयोजित किसान सम्मान दिवस कार्यक्रम में जिलाधिकारी द्वारा सम्मानित किया जायेगा। जनपद के सभी सम्मानित किसान भाईयों से सादर अनुरोध है कि कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्याा में प्रतिभाग करें।

अटल बिहारी के जन्म शताब्दी समापन पर भाषण व काव्य पाठ प्रतियोगिता सम्पन्न

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी वर्ष के समापन समारोह के अवसर पर सोमवार को काशी नरेश राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में जनपद स्तरीय भाषण एवं एकल काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

भाषण प्रतियोगिता का विषय 'भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी के सुशासन का महत्व' रहा, जिसमें जनपद के पांच महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। प्रतियोगिता में काशी नरेश राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के बीए तृतीय सेमेस्टर के छात्र रंजीत कुमार यादव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। रामदेव पीजी कॉलेज की एमए प्रथम सेमेस्टर की छात्रा वैशाली अग्रहरि द्वितीय तथा बीएड की छात्रा उपासना जायसवाल तृतीय स्थान पर रहीं। निर्णायक मंडल में केशव प्रसाद मिश्र राजकीय महिला महाविद्यालय की डॉ. सुचिता वर्मा, काशी नरेश महाविद्यालय की डॉ. अंशुबाला तथा रामदेव पीजी कॉलेज के डॉ. संजय कुमार मिश्रा शामिल रहे।

एकल काव्य पाठ प्रतियोगिता में केशव प्रसाद मिश्र राजकीय महिला महाविद्यालय, औराई की बीएससी प्रथम सेमेस्टर की छात्रा आंचल पांडे ने प्रथम स्थान हासिल किया। काशी नरेश महाविद्यालय के बीए तृतीय सेमेस्टर के छात्र आशीष मणि द्वितीय तथा बीएससी पंचम सेमेस्टर की छात्रा नेहा दुबे तृतीय स्थान पर रहीं। इस प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डॉ. सूर्यनाथ खरवार, डॉ. निखिल कुमार सिंह तथा डॉ. भानु प्रताप सिंह शामिल रहे।

कार्यक्रम का उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. रमेश चंद्र यादव ने किया। प्रतियोगिता के संयोजक प्रो. बालकेश्वर ने प्रतिभागियों को विषयवस्तु एवं नियमों से अवगत कराया। समापन अवसर पर संयोजक डॉ. आशुतोष कुमार श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों, निर्णायकों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

सुशासन सप्ताह : ग्रामीणों को दी गई योजनाओं की जानकारी

योजनाओं को अंतिम पंक्ति तक पहुंचाना शासन का लक्ष्य : सुनील

सरायजगदीश महुआरी कुलमनपुर व किशुनदेवपुर गांव से उमड़े ग्रामीण

मंत्र भारत संवाददाता

जंगीगंज। सुशासन सप्ताह कार्यक्रम के अंतर्गत सोमवार को डीघ विकास खण्ड की ग्राम पंचायत सरायजगदीश में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर ग्रामीणों को केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई।

मुख्य अतिथि के तौर पर स्थानीय ग्रामीण व भाजपा जिला उपाध्यक्ष सुनील मिश्र ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य योजनाओं को अंतिम पंक्ति तक पहुंचाना तथा पात्र लाभार्थियों को समय से लाभ दिलाना है। कहा केंद्र और प्रदेश की डबल इंजन की भाजपा सरकार जनता के द्वार तक पहुँच रही है। हर तरह की विकास व लाभार्थीपरक योजना के प्रति सभी को जागरूक किया जा रहा है। भाजपा सरकार की मंशा 2047 तक देश को विकसित भारत बनाने का है। यह उसी की एक छोटी सी झलक है।

इस अवसर पर ग्राम पंचायत अधिकारी संजय सिंह चौहान ने ग्रामीणों को स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), शौचालय निर्माण, ग्राम पंचायत की विकास योजनाएं, पेंशन योजनाएं एवं जनहित से जुड़ी अन्य योजनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवश्यक अभिलेख समय से पूर्ण कराएं तथा किसी भी प्रकार की समस्या होने पर ग्राम पंचायत अथवा विकास खण्ड कार्यालय से संपर्क करें। इस दौरान कृषि विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, फसल बीमा योजना, उन्नत बीज, उर्वरक एवं आधुनिक कृषि तकनीकों के उपयोग की जानकारी दी। उन्होंने किसानों से योजनाओं का लाभ उठाकर अपनी आय बढ़ाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम प्रधान सरायजगदीश उपासना ने की। इस दौरान ग्राम प्रधान किशुनदेवपुर छविनाथ यादव छब्बू, ग्राम प्रधान महुआरी रमेश मिश्र, अनुराग मौर्य, मीरा देवी रेनू यादव, माता प्रसाद ज्योति अग्रहरि सुनीता देवी, रन्नो देवी दरक्सा बेगम मंजू शर्मा राधिका मौर्य लक्ष्मी मौर्या मालती मौर्या समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

लोक शिकायतों के निवारण और सेवा वितरण में सुधार हेतु समर्पित है 'सुशासन सप्ताह'

सुशासन सप्ताह में शिकायतकर्ता की शिकायत का सेम डे हुआ समाधान, तत्काल बना बेटी का जन्म प्रमाण पत्र

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। लोक शिकायतों के त्वरित निवारण, पारदर्शी प्रशासन तथा ग्रामीण स्तर तक प्रभावी सेवा वितरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राष्ट्रव्यापी अभियान सुशासन सप्ताह 'प्रशासन गांव की ओर' जनपद भदोही में 19 से 25 दिसंबर, 2025 तक सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है। यह अभियान जिलाधिकारी शैलेष कुमार के मार्गदर्शन एवं मुख्य विकास अधिकारी बाल गोबिन्द शुक्ल के पर्यवेक्षण में सुचारु रूप से जारी है।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि सुशासन सप्ताह का मूल उद्देश्य जनता की शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण करना तथा ग्रामीण स्तर तक शासन की योजनाओं व सेवाओं को प्रभावी ढंग से पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि यह अभियान प्रशासन और नागरिकों के बीच विश्वास को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे शासन व्यवस्था अधिक उत्तरदायी और संवेदनशील बन रही है।

मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि लोक शिकायतों के निवारण और सेवा वितरण में सुधार हेतु सुशासन सप्ताह पूर्णतः समर्पित है। इसके अंतर्गत विभिन्न विभागों द्वारा जनसुनवाई, शिविरों तथा डिजिटल माध्यमों से शिकायतों का त्वरित समाधान किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के माध्यम से संस्थानों के डिजिटल परिवर्तन और नागरिकों के डिजिटल सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि सेवाएं अधिक सरल, सुलभ और पारदर्शी बन सकें।

सुशासन सप्ताह के अंतर्गत जन शिकायत निवारण की एक उल्लेखनीय सफलता का उदाहरण विकासखंड भदोही के ग्राम जोगीपुर निवासी अभिषेक तिवारी द्वारा साझा किया गया। उन्होंने बताया कि उन्हें अपनी बेटी के जन्म प्रमाण पत्र की अत्यंत आवश्यकता थी, किंतु संबंधित प्रक्रिया पूर्ण कराने के लिए वे काफी समय से भटक रहे थे।

सुशासन सप्ताह की जानकारी प्राप्त होने पर उन्होंने विकास भवन स्थित जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में अपनी समस्या रखी। जनसुनवाई के दौरान जिला पंचायत राज अधिकारी संजय मिश्र ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल संबंधित ग्राम पंचायत सचिव को निर्देशित किया। परिणामस्वरूप उसी दिन शाम तक शिकायतकर्ता की बेटी का जन्म प्रमाण पत्र निर्गत कर दिया गया।

62 दिव्यांग बच्चों को वितरित हुआ उपस्कर उपकरण

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। दिव्यांग बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य को लेकर समग्र शिक्षा अभियान समेकित शिक्षा के तहत सोमवार को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय और एलिम्को कानपुर के संयुक्त तत्वावधान में ब्लॉक संसाधन केंद्र अभोली में उपस्कर एवं उपकरण वितरण शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर के दौरान उन बच्चों को लाभांवित किया गया। जिनका चयन पूर्व में आयोजित मेजरमेंट कैंप (मापन शिविर) में एलिम्को कानपुर के विशेषज्ञों द्वारा किया गया था। आज कुल 62 दिव्यांग बच्चों को खंड शिक्षा अधिकारी वेद प्रकाश यादव, जिला समन्वयक समेकित शिक्षा रश्मि मिश्रा एवं एलिम्को कानपुर के विशेषज्ञों द्वारा वितरित किया गया। इस दौरान अधिकारियों द्वारा 12 टीएलएम किट, 08 क्रैच एल्बो, 02 वाकिंग स्टीक, 02 व्हील चेयर, 09 ट्राईसाइकिल, 4 रोलेटर, 06 सीपी चेयर, कैलिपर्स 06 तथा 12 हियरिंग ऐड दिव्यांग बच्चों में वितरित किया गया। एलिम्को कानपुर से आए विशेषज्ञ रामानंद, अनु रानी और महावीर, डीसी समेकित रश्मि मिश्रा, फिजियोथैरेपिस्ट जेपी सिंह तथा स्पेशल एजुकेटर्स ने अभिभावकों को इन आधुनिक उपकरणों के उपयोग संबंधित जानकारी दी गई। इस मौके पर रामसजीवन, राणा गोविंद, सत्येंद्र कुमार द्विवेदी, विजय कुमार मौर्य, श्याम बहादुर यादव समेत बीआरसी का स्टाफ मौजूद रहा।

डेरवा शीतला माता मंदिर में दर्शन पूजन प्रातःकाल से लगी कतार

मंत्र भारत संवाददाता

गोपीगंज। विकास खंड औराई के डेरवा गांव स्थित शितला मांता मंदिर मे सोमवार को दर्शनार्थियो की भीड़ लगी रही त्प्रातः काल शीतला घाट पर गंगा मे डूबकी लगाने के उपरांत श्रद्धालुओ ने मांता के दरबार मे हाजिरी लगा मनवांछित फल प्राप्ति के लिए दर्शन पूजन कर प्रार्थना की । गंगा तट पर विराजमान जगत जननी मां शीतला के मंदिर में प्रत्येक सोमवार को आयोजित साप्ताहिक मेले मे दर्शन पूजन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुचते है। ग्रामीण क्षेत्र के प्रमुख सिद्ध पीठ पर सोमवार को दर्शनार्थियो की भीड़ बढ जाती है।दर्शन पूजन के के साथ मनौती पूरा होने पर कड़ाही पूजन कर प्रसाद के रुप मे हलुआ पुड़ी वितरित किया जाता है। सोमवार के अदभुत संयोग मे स्थानीय गांव के साथ भवानीपुर, मूलापुर, बरजी, जहगीराबाद आदि गांव के लोग गंगा घाट पर स्नान ध्यान कर दर्शन पूजन किया।मंदिर की देखरेख गांव के प्रतिष्ठित बघेल परिवार द्वारा की जाती है।

नाम बदलने वाली सरकार को जनता देगी जवाब : गौरव

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद अकरम के नेतृत्व में सोमवार को भरवारी स्थित पार्टी कार्यालय से भरवारी स्टेशन तक महात्मा गांधी की फोटो के साथ मनरेगा का नाम बदलने के विरोध में मार्च निकाल कर विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान जिलाध्यक्ष गौरव पांडेय ने कहा कि नाम बदलने वाली सरकार को देश की जनता जवाब देगी। जिलाध्यक्ष ने कहा कि मौजूदा सरकार केवल नाम बदलने का कार्य कर रही है। देश की जनता का ध्यान मूल मुद्दों से भटकाने का काम कर रही है। आज देश में मंहगाई, बेरोजगारी चरम पर है। सरकार के पास इसका कोई जवाब नहीं है।

प्रदेश सचिव एवं जिला संयोजक राजेश साहनी ने कहा कि महात्मा गांधी देश के कण-कण में हैं। योजना का नाम बदलने से बापू की छवि को धूमिल नहीं किया जा सकता। जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद अकरम ने कहा कि मौजूदा सरकार केवल नाम बदल सकती है लेकिन देश बापू के बलिदान को कभी नहीं भूल सकता है। बापू ने देश की आजादी में अपना बहुमूल्य योगदान दिया था। जिला उपाध्यक्ष राम सूरत रैदास ने कहा कि मनरेगा का नाम बदलने से देश महात्मा गांधी के योगदान को नहीं भूलेगा। बापू सदैव पूज्यनीय थे और हमेशा रहेंगें। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद अकरम, अलकमा उस्मानी, रामसूरत रैदास, जिला महासचिव सुरेन्द्र शुक्ल, राज बहादुर चौधरी, सेवादल जिलाध्यक्ष जमशेद अहमद, ब्लाक अध्यक्ष रमेश यादव, सचिव इंद्रपाल, रामदास गौतम, छोटे लाल, मोहम्मद मिज़ान, तबरेज अहमद, सोसल मीडिया जिलाध्यक्ष सचिन पाण्डेय, मोहम्मद शारिक, रमेश कुमार, धीरेन्द्र कुमार, करार अहमद, मोहम्मद असलम, मोहम्मद अनीश, इरशाद अहमद, कौशर अली, मोहम्मद सिराज, वार्ड अध्यक्ष वाजिद जमीर, सूफियान अहमद, दीपक शर्मा, राज राहुल यादव, संजय पटेल सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नमो भारत ट्रेन में शर्मनाक हरकत! सीसीटीवी में कैद युवक युवती के अंतरंग पल–वीडियो लीक होते ही मचा बवाल

लखनऊ (**एजेंसी**)। एनसीआर की अत्याधुनिक नमो भारत ट्रेन एक बार फिर सुर्खियों में है, लेकिन इस बार वजह उसकी रफ्तार या तकनीक नहीं, बल्कि सोशल मीडिया पर वायरल हुआ एक वीडियो है। गाजियाबाद के मोदीनगर इलाके में चल रही नमो भारत ट्रेन के अंदर युवक और युवती के कथित आपत्तिजनक पलों का वीडियो सामने आने के बाद हंगामा मच गया है। बताया जा रहा है कि यह वीडियो मोदीनगर नॉर्थ स्टेशन के पास चलती नमो भारत ट्रेन का है। ट्रेन के कोच में लगे सीसीटीवी कैमरे में युवक और युवती की गतिविधियां रिकॉर्ड हो गईं। उस समय कोच में भीड़ कम थी, जिसका फायदा उठाकर दोनों ने सार्वजनिक जगह की मर्यादा को नजरअंदाज किया। बाद में यही फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हो गई।

इस घटना से जुड़े कुल चार वीडियो क्लिप अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। वीडियो में युवक और युवती ट्रेन के कोच में बैठे नजर आ रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद लोगों में नाराजगी देखने को मिल रही है। सोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में लोग सार्वजनिक परिवहन में इस तरह के व्यवहार पर सवाल उठा रहे हैं और सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि नमो भारत ट्रेन जैसे आधुनिक और सुरक्षित परिवहन साधन में इस तरह की हरकतें न केवल शर्मनाक हैं, बल्कि समाज और युवाओं पर भी गलत असर डालती हैं।

इस पूरे मामले में सबसे अहम सवाल यह है कि ट्रेन के अंदर लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज आखिर सोशल मीडिया तक कैसे पहुंची। इस पर नेशनल कैपिटल रीजन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (एनसीआरटीसी) ने सफाई दी है। एनसीआरटीसी के मुताबिक, यह वीडियो बीते महीने का है, जो ट्रेन में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हुआ था। बाद में किसी व्यक्ति ने इस फुटेज को मोबाइल से रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो वायरल होने के बाद एनसीआरटीसी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आंतरिक जांच शुरू कर दी है। एनसीआरटीसी के प्रवक्ता ने बताया कि यह पता लगाया जा रहा है कि सीसीटीवी फुटेज किसने और कैसे बाहर लीक की। प्रवक्ता ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज ट्रेन के सुरक्षा सिस्टम का हिस्सा होती है। बिना अनुमति इसे रिकॉर्ड करना और वायरल करना गंभीर नियम उल्लंघन है। जांच पूरी होने के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

एनसीआरटीसी ने इस मामले में त्वरित कदम उठाते हुए एक कर्मचारी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की है। जांच में सामने आया कि सीसीटीवी फुटेज की सुरक्षा में लापरवाही बरती गई थी। इसके बाद संबंधित कर्मचारी को बर्खास्त कर दिया गया है। हालांकि, एनसीआरटीसी ने साफ किया है कि जांच अभी जारी है और यदि किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका सामने आती है, तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

ठंड में आने वाले फरियादियों के लिए रैन बसेरों में रुकने की व्यवस्था करें, सीएम ने दिए निर्देश

लखनऊ (**एजेंसी**)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि ठंड में आने वाले फरियादियों के लिए रैन बसेरों में ठहरने की व्यवस्था करें। एक आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री योगी ने आज सुबह यहां पांच कालिदास मार्ग स्थित अपने सरकारी आवास पर 'जनता दर्शन' किया और इस दौरान उन्होंने प्रदेश भर से आए फरियादियों से मुलाकात की। योगी ने उनकी समस्याएं सुनीं और प्रार्थना पत्र लेकर संबंधित अधिकारियों को निस्तारण के लिये निर्देश दिये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिलों में तो 'जनता दर्शन' में फरियादी अपनी शिकायत लेकर पहुंचते ही हैं, लखनऊ में होने वाले 'जनता दर्शन' में भी बड़ी संख्या में फरियादी आते हैं। उन्होंने कहा कि 'जनता दर्शन' में शामिल होने के लिए एक दिन पहले रात में ही फरियादी राजधानी पहुंच जाते हैं। उन्होंने कहा कि यहां आने वाले फरियादी रैन बसेरों में रूकें, सरकार ने रैन बसेरों में समुचित व्यवस्था की है। योगी ने लखनऊ प्रशासन को निर्देश दिया कि वे समय-समय पर रैन बसेरों

का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लेते रहें और यह सुनिश्चित करें कि फरियादियों को रैन बसेरों में सुविधा मिले और यहां रहने वालों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस समय ठंड काफी पड़ रही है। उन्होंने आमजन से अपील की कि पहले उनके जिलों के जिलाधिकारी व पुलिस कप्तान के पास पहुंचे और अपनी समस्याओं से अवगत कराएं। प्रशासन स्तर पर हर समस्याओं का निराकरण कराया जा रहा है। योगी ने सभी जिलाधिकारी, पुलिस कप्तानों को निर्देश दिया कि प्रतिदिन जनता की समस्याएं सुनें और उनका निराकरण कराएं, जिससे उन्हें ठंड के मौसम में लखनऊ न आना पड़े। 'जनता दर्शन' में कुछ फरियादी इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर भी पहुंचे थे। इस पर मुख्यमंत्री ने उनका प्रार्थना पत्र लिया और कहा कि आप अस्पताल से एस्टीमेट बनवाकर दीजिए।

सीएम योगी ने कहा, सरकार पहले दिन से ही इलाज के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध करा रही है। सरकार का संकल्प है कि इलाज के अभाव में किसी को परेशानी का सामना न करना पड़े। 'जनता दर्शन' में जमीन कब्जे के मामलों पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सख्त रुख अपनाते हुए इसकी जांच कराकर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। योगी ने कहा कि अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। धान खरीद के मामलों को लेकर पहुंचे किसानों की शिकायत सुनकर मुख्यमंत्री ने तत्काल संबंधित प्रशासन को समाधान के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं का निदान ही सरकार की प्राथमिकता है।

कांग्रेस ने आपातकाल 'थोपकर' संविधान का गला दबाने का कार्य किया : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ (**एजेंसी**)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को विधानसभा में कहा कि जब राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' के शताब्दी महोत्स व का अवसर आया तब कांग्रेस ने देश के अंदर आपातकाल 'थोपकर' संविधान का गला दबाने का कार्य किया। योगी ने शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन सदन में वंदे मातरम पर चर्चा की शुरुआत करते हुए कहा, 'वंदे मातरम का सम्मान न केवल एक भावनात्मक अभिव्यक्ति है, बल्कि अपने संवैधानिक मूल्यों के प्रति राष्ट्रीय कर्तव्यों का बोध भी हम सबको कराता है।'

उन्होंने कहा, 'यह राष्ट्र की आत्मा, संघर्ष और संकल्प का भी प्रतीक है। जब वंदे मातरम अपनी रजत जयंती मना रहा था तब देश में ब्रिटिश हुकूमत थी।' योगी ने कहा, 'वंदे मातरम की रचना उस समय हुई थी, जब भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के बाद बौखलाया हुआ ब्रिटिश हुकूमत दमन और अत्याचार की पराकाष्ठा पर पहुंच गया था और भारतीयों को यातनाएं दी जा रही थीं।' नेता सदन ने कहा कि उस समय देश की आजादी की लड़ाई को आगे बढ़ाने का मंच कांग्रेस थी और 1896 में पहली बार कांग्रेस के अधिवेशन में रविंद्र नाथ टैगोर ने इसे अपना स्वर प्रदान किया था और यह पूरे देश के लिए एक मंत्र बन गया था।

उन्होंने कहा, 'लेकिन जब वंदे मातरम के शताब्दी महोत्सव का

अवसर आया तब जिस कांग्रेस के मंच से पहली बार वंदे मातरम का गान हुआ था, उस कांग्रेस ने देश के अंदर (1975 में) आपातकाल थोपकर संविधान का गला दबाने का कार्य किया।' योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की साकार होती परिकल्पना का जिक्र करते हुए कहा, 'आज 150 वर्ष वंदे मातरम के पूरे हो रहे हैं तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आभारी हैं, जिनके नेतृत्व में भारत पूरे आत्मविश्वास के साथ एक विकसित भारत की संकल्पना के साथ आगे बढ़ा है।' उन्होंने कहा, 'जब हम वंदे मातरम की बात करते हैं तो हम सबके लिए एक गीत मात्र नहीं बल्कि यह हमारे देश के अंदर स्वतंत्रता संग्राम की चेतना, उसका उद्घोष और भारत के क्रांतिकारियों के प्रति सच्ची भावना है।'

पुरानी पेंशन बहाली के मुद्दे को लेकर सपा ने किया हंगामा, सरकार ने दिया जवाब

लखनऊ (**एजेंसी**)। उत्तर प्रदेश विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के दौरान सोमवार को राज्य विधान परिषद में समाजवादी पार्टी (सपा) के सदस्यों ने पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) की बहाली का मुद्दा जोर-शोर से उठाया। सपा के विधान परिषद सदस्य डॉ. मानसिंह ने सरकार से सवाल किया कि प्रदेश में पुरानी पेंशन बहाल करने को लेकर क्या कोई निर्णय लिया गया है।

सरकार की ओर से जवाब देते हुए नगर विकास मंत्री ए. के. शर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश में एक अप्रैल 2005 से नई पेंशन योजना (एनपीएस) लागू है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नई पेंशन प्रणाली को राज्य के राजकोषीय संतुलन को बनाए रखने के साथ-साथ न केवल सरकारी कर्मचारियों, बल्कि संगठित एवं असंगठित क्षेत्र के कार्मिकों तथा सामान्य जन के लिए बेहतर, राष्ट्रव्यापी वृद्धावस्था सुरक्षा व्यवस्था विकसित करने के उद्देश्य से लागू किया गया है।

मंत्री ने यह भी कहा कि एनपीएस दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता को ध्यान में रखकर तैयार की गई है, जिससे भविष्य में पेंशन दायित्वों का प्रबंधन सुचारु रूप से किया जा सके। इस पर सपा सदस्यों ने आपत्ति जताते हुए कहा कि पेंशन बुढ़ापे की लाठी होती है और कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा का भरोसा देती है। सपा सदस्यों ने मांग की कि कर्मचारियों के हित में पुरानी पेंशन योजना को बहाल किया जाए। इस मुद्दे पर सदन में कुछ समय तक चर्चा और नोकझोंक भी देखने को मिली।

बुर्के में घूम रहा था युवक, जूतों ने खोल दी पोल! बिजनौर में ताका-झांकी करते पकड़ा गया–पिटाई के बाद भीड़ को चकमा देकर फरार, इलाके में मचा हड़कंप

लखनऊ (**एजेंसी**)। प्रदेश के बिजनौर शहर से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। जहां एक युवक बुर्का पहनकर मोहल्ले में घूम रहा था और लोगों के घरों में ताका-झांकी कर रहा था। उसकी हरकतों को देखकर लोगों को शक हुआ कि वह कोई चोर हो सकता है। इसी शक के आधार पर स्थानीय लोगों ने उसे पकड़ लिया।

यह घटना रविवार शाम बिजनौर के मोहल्ला काजीपाड़ा की है, जहां इमली वाली मस्जिद के पास एक बुर्का पहने व्यक्ति को घूमते देखा गया। लोगों की नजर उस वक्त उस पर गई, जब उन्होंने देखा कि बुर्के के नीचे उसने जूते पहन रखे हैं। इसी बात से लोगों को शक हुआ और उन्होंने उसे रोककर पूछताछ शुरू की। जब लोगों ने बुर्का हटाया तो सामने आया कि वह एक युवक है।

स्थानीय लोगों के मुताबिक युवक आसपास के मकानों में झांक रहा था, जिससे लोगों को लगा कि वह किसी गलत नीयत से वहां आया है। इसके बाद वहां भारी भीड़ जमा हो गई। लोगों ने उससे बुर्का पहनने की वजह पूछी, लेकिन वह ठीक से कोई जवाब नहीं दे सका। पहले तो वह कहता रहा कि वह किसी से मिलने आया है, लेकिन किससे मिलने आया था,

यह नहीं बता पाया।

पूछताछ के दौरान कुछ लोगों ने उसकी हल्की पिटाई भी कर दी। युवक हाथ जोड़कर लोगों से छोड़ देने की गुहार लगाने लगा। इसी बीच भीड़ में अफरा-तफरी का फायदा उठाकर वह मौके से भाग निकला। लोगों ने उसका पीछा भी किया, लेकिन वह गलियों में घुसकर फरार हो गया। हालांकि भागते वक्त लोग उसका बुर्का उतारने में सफल रहे।

इस पूरी घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो के आधार पर पुलिस ने मामले का संज्ञान लिया है और युवक की पहचान व तलाश शुरू कर दी गई है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि युवक बुर्का पहनकर इलाके में क्यों घूम रहा था और उसकी मंशा क्या थी।

नेशनल हेराल्ड मामला : ईडी की अपील पर हाई कोर्ट ने सोनिया-राहुल को भेजा नोटिस

नई दिल्ली (**एजेंसी**)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी तथा नेशनल हेराल्ड मामले में अन्य आरोपियों को नोटिस जारी कर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की उस याचिका के जवाब में जवाब मांगा है, जिसमें निचली अदालत के उस आदेश को चुनौती दी गई है जिसमें ईडी द्वारा उनके खिलाफ दायर आरोपपत्र पर संज्ञान लेने से इनकार कर दिया गया था। केंद्रीय जांच एजेंसी की ओर से पेश होते हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि ईडी ने मामले की जांच पूरी कर ली है, सबूत जुटा लिए हैं और मामले से संबंधित कई तलाशी अभियान भी चलाए हैं। उन्होंने कहा कि निचली अदालत ने ईडी के आरोपपत्र पर संज्ञान लेने से इनकार करके गलती की है।

अदालत इस मामले की आगे की सुनवाई 12 मार्च, 2026 को करेगी। न्यायमूर्ति रविंदर दुदेजा ने मामले की सुनवाई की। ईडी की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने न्यायालय के समक्ष तथ्यों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंहवी और आर.एस. चीमा ने कार्यवाही के दौरान गांधी परिवार का प्रतिनिधित्व किया। न्यायालय को संबोधित करते हुए सॉलिसिटर जनरल ने तर्क दिया कि निचली अदालत ने इस तथ्य को समझने में चूक की कि किसी सक्षम न्यायालय द्वारा निजी शिकायत पर संज्ञान लेना मात्र एफआईआर से कहीं अधिक कानूनी महत्व रखता है, जहां आरोपपत्र दाखिल होने के बाद भी संज्ञान लेने से इनकार किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान मामले में, अनुसूचित अपराध गठित करने वाली निजी शिकायत का संज्ञान पहले ही एक सक्षम न्यायालय द्वारा लिया जा चुका है और सर्वोच्च न्यायालय तक इसे बरकरार रखा गया है, जिससे यह एक साधारण पुलिस एफआईआर की तुलना में कहीं अधिक मजबूत स्थिति में है। मेहता ने आगे तर्क दिया कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) में अनुसूचित अपराध को दर्ज करने की विधि या ढंग निर्धारित नहीं है। उन्होंने कहा कि कानून के तहत केवल सुनियोजित अपराध से संबंधित आपराधिक गतिविधि के आरोप का होना आवश्यक है, लेकिन यह अनिवार्य नहीं है कि

यह आरोप आपराधिक शिकायत के बजाय एफआईआर से ही उत्पन्न हो। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस मुद्दे की जांच होनी चाहिए और कहा कि वे न्यायालय को संतुष्ट करने के लिए तैयार हैं और नोटिस जारी करने का अनुरोध किया।

सुनवाई के दौरान, न्यायालय ने पूछा कि क्या शिकायतकर्ता की जांच के बाद निजी शिकायत का संज्ञान लिया गया था। सकारात्मक उत्तर देते हुए, सॉलिसिटर जनरल ने पीठ को सूचित किया कि गवाहों की भी जांच की जा चुकी है। उन्होंने आग्रह किया कि मामले का अंतिम निर्णय निर्धारित तिथि पर किया जाए और सुनवाई का अनुरोध किया। हालांकि, वरिष्ठ अधिवक्ता सिंहवी ने कहा कि कुछ प्रतिवादियों को अभी तक नोटिस नहीं भेजा गया है। अपनी अपील में, ईडी ने राउज़ एवेन्यू न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी है जिसमें नेशनल हेराल्ड मामले में उसकी अभियोजन शिकायत का संज्ञान लेने से इनकार कर दिया गया था।

बांग्लादेशी हिंदुओं की मदद के लिए वैश्विक हिंदू समाज को एकजुटता के साथ खड़ा होना होगा : मोहन भागवत

नई दिल्ली (**एजेंसी**)। कोलकाता में आयोजित बौद्धिक संगोष्ठी में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने बड़ा ही प्रेरक संबोधन दिया। हम आपको बता दें कि चार घंटे से अधिक चले विचार और प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान उन्होंने बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर बढ़ते दबाव और उनके उत्पीड़न के मुद्दे पर अपने विचार रखे साथ ही केंद्र सरकार से कहा कि वह इस विषय का संज्ञान ले। उन्होंने पश्चिम बंगाल में हिंदू समाज की एकजुटता को निकट भविष्य के बदलाव की कुंजी भी बताया।

हजार से अधिक शिक्षाविदों और बुद्धिजीवियों की मौजूदगी में भागवत ने साफ कहा कि बांग्लादेश में हालात कठिन हैं। वहां के हिंदुओं को संगठित रहना होगा और वैश्विक हिंदू समाज को उनके साथ खड़ा होना होगा। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की स्थिति को लेकर भारत सरकार को कुछ करना होगा। भागवत ने कहा, "हो सकता है कि वे पहले से ही कुछ कर रहे हों, लेकिन उनका खुलासा नहीं किया जा सकता।"

मोहन भागवत ने अपने संबोधन में यह भी जोड़ा कि भारत हिंदुओं का देश है। साथ ही उन्होंने पश्चिम बंगाल पर विशेष जोर देते हुए कहा कि जैसे ही हिंदू समाज संगठित होगा, राज्य में सामाजिक बदलाव तेजी से दिखाई देगा। उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल

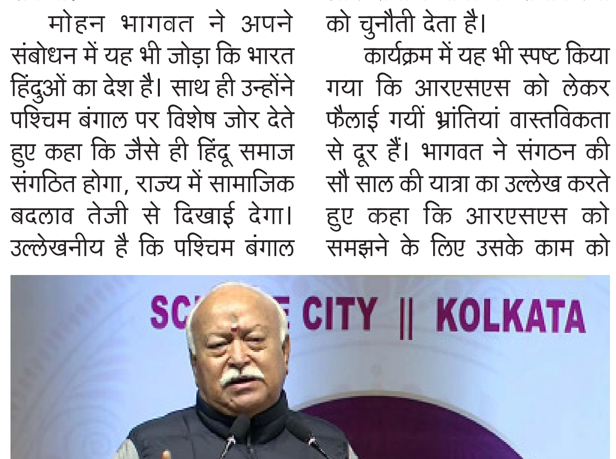

लंबे समय से राजनीतिक और वैचारिक संघर्ष का मैदान रहा है। ऐसे में एकजुटता का संदेश सत्ता और समाज दोनों के समीकरणों को चुनौती देता है।

कार्यक्रम में यह भी स्पष्ट किया गया कि आरएसएस को लेकर फैलाई गयीं भ्रांतियां वास्तविकता से दूर हैं। भागवत ने संगठन की सौ साल की यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि आरएसएस को समझने के लिए उसके काम को देखना होगा, न कि सुनी सुनाई बातों पर भरोसा करना होगा। उन्होंने दो टूक कहा कि आरएसएस किसी राजनीतिक दल का प्रतिनिधि नहीं है। उन्होंने कहा कि स्वयंसेवक सेना में सेवा करें या राजनीति में जाएं, इससे संगठन की स्वतंत्र पहचान पर प्रश्न नहीं उठता।

देखा जाये तो मोहन भागवत का कोलकाता से दिया गया हिंदू एकता का संदेश आज की सबसे बड़ी जरूरत है। लेकिन वहीं दूसरी ओर इसे धार्मिक रंग देते हुए मौलाना साजिद रशीदी हिंदुस्तान में मुस्लिमों की एकजुटता की बात कर रहे हैं और मामले को अलग ही दिशा दे रहे हैं। यही मोड़ सबसे संवेदनशील है। यदि हर आह्वान का जवाब केवल प्रतिआह्वान से दिया गया, तो समाधान की जगह टकराव बढ़ेगा। एकजुटता का अर्थ दीवारें खड़ी करना नहीं, बल्कि अन्याय के सामने मजबूती से खड़ा होना है। भागवत का भाषण इस मजबूती का संकेत देता है।

कश्मीर में बर्फबारी और बारिश, उत्तर भारत में कोहरे का प्रकोप, झारखंड में घने कोहरे का अलर्ट

नई दिल्ली (**एजेंसी**)। उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड ने लोगों को ठिठुराया तो कहीं कोहरे की घनी चादर ने रफ्तार थाम दी। उत्तर भारत के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी और मैदानी इलाकों में बारिश के कारण जम्मू-कश्मीर में पारा लुढ़क गया जबकि पंजाब व हरियाणा में ठंड का प्रकोप बढ़ गया और दिल्ली व उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में कोहरे के कारण दृश्यता प्रभावित हुई।

पंजाब और हरियाणा में सोमवार को भी ठंड का दौर जारी रहा, हालांकि दोनों राज्यों के कई हिस्सों में न्यूनतम तापमान मौसम के औसत से कुछ डिग्री ऊपर रहा। स्थानीय मौसम विभाग ने यह जानकारी दी। मौसम विभाग के अनुसार, पंजाब के अमृतसर में न्यूनतम तापमान 9.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से छह डिग्री अधिक है। लुधियाना में न्यूनतम तापमान 7.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो औसत से एक डिग्री ज्यादा है। पंजाब के अन्य शहरों में भी ठंड की स्थिति बनी रही। पटियाला में न्यूनतम तापमान 9.4 डिग्री सेल्सियस रहा जो सामान्य से तीन डिग्री अधिक है वहीं पठानकोट में यह 9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, बठिंडा में 9.8 डिग्री, फरीदकोट में 8.8 डिग्री और गुरदासपुर में न्यूनतम तापमान 7.4 डिग्री सेल्सियस रहा। दोनों राज्यों की संयुक्त राजधानी चंडीगढ़ में न्यूनतम तापमान 8.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से एक डिग्री अधिक है। हरियाणा में भी ठंड का प्रभाव रहा, जहां अंबाला में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से तीन डिग्री अधिक है। हिसार में 8.9 डिग्री और करनाल में नौ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो दोनों ही शहरों में सामान्य से दो डिग्री अधिक है। हरियाणा के अन्य इलाकों में भी ठंड रही, नारनौल में न्यूनतम तापमान छह डिग्री, रोहतक में 10 डिग्री, भिवानी में सात डिग्री और सिरसा में 9.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने झारखंड के कुछ हिस्सों में ठंड और घने कोहरे को लेकर रविवार को अलर्ट जारी किया है। राज्य के कई जिलों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया है। आईएमडी के अनुसार, गढ़वा, पलामू, चतरा, लातेहार और लोहरदगा जिलों के लिए सोमवार सुबह साढ़े आठ बजे तक ठंड को लेकर 'येलो अलर्ट' जारी किया गया है। वहीं, गढ़वा, पलामू, चतरा, हजारीबाग, कोडरमा, गिरिडीह, देवघर, रांची, रामगढ़, बोकारो, धनबाद और खूंटी सहित कुल 15 जिलों में घने कोहरे का अलर्ट जारी किया गया है। आईएमडी ने एक बुलेटिन में बताया कि राज्य के छह जिलों में शीतलहर जैसी स्थिति भी दर्ज की गई है, जहां न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया। इन जिलों में गुमला, हजारीबाग, खूंटी, लातेहार, लोहरदगा और रांची शामिल हैं।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने सोमवार तक जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और उत्तरपूर्वी हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों में भारी बर्फबारी और कुछ स्थानों पर बारिश के साथ-साथ बर्फ गिरने

का अनुमान जताया है। आईएमडी के अनुसार, प्रमुख मौसम निगरानी केंद्रों में शामिल पालम में शानिवार रात 10 बजे से रविवार दोपहर 12:30 बजे के बीच मध्यम कोहरे के कारण दृश्यता सबसे कम 300 मीटर दर्ज की गई। आईएमडी ने बताया कि हल्के कोहरे के कारण दृश्यता बढ़कर 600 मीटर हो गई लेकिन पूर्व-दक्षिणपूर्वी दिशा से सात किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली हवाओं के कारण फिर से 350 मीटर तक गिर गई। मौसम विभाग के मुताबिक, सफदरजंग में देर रात डेढ़ बजे से ढाई बजे के बीच मध्यम कोहरे के कारण दृश्यता सबसे कम 200 मीटर तक गिर गई। आईएमडी के अनुसार, सुबह साढ़े पांच बजे तक यह धीरे-धीरे बढ़कर 500 मीटर तक पहुंच गई। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1.3 डिग्री अधिक 9.4 डिग्री सेल्सियस रहा जबकि अधिकतम तापमान 18.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मौसम विभाग के अनुसार, शाम 5:30 बजे आर्द्रता 100 प्रतिशत दर्ज की गई। दिल्ली हवाई अड्डे पर रविवार को घने कोहरे के कारण कम दृश्यता की वजह से कुल 97 उड़ानें रद्द हुईं और 200 से अधिक उड़ानें विलंबित हुईं। भारतीय विमानन प्राधिकरण के अधिकारियों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि खराब मौसम के कारण श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भी कम से कम 11 उड़ानें रद्द हुईं। कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में रविवार को बर्फबारी और मैदानी क्षेत्रों में बारिश हुई। कश्मीर में 40 दिन की सबसे कठोर शीत ऋतु की अवधि 'चिल्ला-ए-कलां' की शुरुआत के साथ घाटी के लोगों को लंबे शुष्क दौर के बाद काफी राहत मिली। अधिकारियों ने यहां बताया, उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले में स्थित गुलमर्ग में बर्फबारी हुई, जहां लगभग दो इंच बर्फ जमा हो गई है। उन्होंने बताया कि श्रीनगर-कारगिल राजमार्ग पर स्थित सोनमर्ग में रविवार सुबह बर्फबारी शुरू हुई, जो आखिरी सूचना मिलने तक जारी थी।

आईएमडी के मुताबिक, इन दोनों जिलों के साथ-साथ चंबा में भी हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान है। आईएमडी ने बताया कि 21 व 22 दिसंबर की देर रात और सुबह के दौरान ऊना, बिलासपुर (भाखरा बांध रिजर्व) और मंडी (बल्ह घाटी) जिलों में कुछ स्थानों पर घना कोहरा छाने का अनुमान है। पंजाब और हरियाणा के कई इलाकों में रविवार को भीषण ठंड रही और दोनों राज्यों के कई इलाकों में घना कोहरा छाया रहा। मौसम विभाग के अनुसार, हरियाणा में नारनौल सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां पारा 5.2 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। वहीं, पंजाब में गुरदासपुर सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां न्यूनतम तापमान 6.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दोनों राज्यों के कई इलाकों में सुबह घना कोहरा छाया रहा, जिससे दृश्यता काफी कम हो गई। मौसम विभाग के अनुसार, दोनों राज्यों की साझा राजधानी चंडीगढ़ में न्यूनतम तापमान 8.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हरियाणा के भिवानी में न्यूनतम तापमान 6.5 डिग्री सेल्सियस, अंबाला में 9.5 डिग्री, रोहतक में 10.8 डिग्री और सिरसा में 10 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

किसी भी नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए तैयार हूं पंजाब किंग्स द्वारा खरीदे जाने पर बोले कूपर कॉनोली

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पंजाब किंग्स की टीम से जुड़ने वाले ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कूपर कॉनोली ने कहा कि वह अगले साल होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में बल्लेबाजी क्रम में किसी भी नंबर पर खेलने के लिए तैयार हैं। आक्रामक बल्लेबाज, चुस्त फील्डर और बाएं हाथ की स्पिन गेंदबाजी करने वाले कॉनोली को पंजाब किंग्स ने इस महीने की शुरुआत में मिनी नीलामी में तीन करोड़ रुपए में खरीदा था।

कॉनोली ने कहा, 'मैं अपने खेल को इस तरह से ढालना पसंद करता हूं जिससे मैं किसी भी स्थिति में अपनी बहुमुखी प्रतिभा का पूरी तरह से उपयोग कर सकूं। इसलिए चाहे वह तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करना हो या मध्यक्रम में खेलना हो, मैं किसी भी तरह की भूमिका निभाने के लिए तैयार हूं।'

यह 22 वर्षीय खिलाड़ी बिग बैश लीग में शानदार फॉर्म में हैं और उन्होंने पर्थ स्कॉर्चर्स के लिए नंबर तीन पर बल्लेबाजी करते हुए दो अर्धशतक बनाए हैं। पंजाब किंग्स हालांकि उनका फिनिशर के रूप में उपयोग कर सकता है। इसके संकेत कप्तान श्रेयस अय्यर ने नीलामी के बाद दिए थे। कॉनोली ने कहा, 'मुझे लगता है कि मैं अभी (पर्थ) स्कॉर्चर्स के लिए नंबर तीन पर बल्लेबाजी करने की भूमिका के बारे में सीख रहा हूं। यह एक ऐसी भूमिका है जिसका मैं आनंद लेता हूं। लेकिन अगर आईपीएल में मेरी भूमिका अलग होती है तो यह मुझे अच्छी तरह से समझ में आता है क्योंकि यह एक विश्व स्तरीय टीम है।'

उन्होंने कहा, 'मध्यक्रम में बल्लेबाजी करना एक अच्छा अवसर होगा, जिससे मुझे कड़ी मेहनत करने और अपना खेल मध्यक्रम में बल्लेबाजी करने के अनुरूप ढालने का मौका मिलेगा।' कॉनोली को ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट की युवा प्रतिभाओं में गिना जाता है। उन्होंने पिछले साल सितंबर में टी20 और वनडे में पदार्पण किया और जनवरी में अपना पहला टेस्ट मैच खेला।

कॉनोली ने कहा कि वह ऑस्ट्रेलिया के विश्व कप विजेता कप्तान रिकी पोंटिंग के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हैं, जो पंजाब किंग्स के मुख्य कोच हैं। उन्होंने कहा, 'मैंने उनके बारे में बहुत अच्छी बातें सुनी हैं। मैंने अभी तक उनके साथ ज्यादा अभ्यास नहीं किया है। इसलिए मैं उनके साथ कुछ समय बिताने और अपनी बल्लेबाजी में आवश्यक बदलाव करने के लिए उत्सुक हूं और यह देखना चाहता हूं कि मेरे खेल के बारे में उनके क्या विचार हैं।'

शुभमन गिल को टी20 वर्ल्ड कप टीम से बाहर करने पर पूर्व सिलेक्टर हैरान, इसकी उम्मीद नहीं कर रहे थे

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। टी20 वर्ल्ड कप से पहले भारतीय टीम के चयन ने क्रिकेट जगत में बड़ी बहस छेड़ दी है। उप-कप्तान शुभमन गिल को 15 सदस्यीय टीम से बाहर किए जाने का फैसला कई दिग्गजों के लिए चौंकाने वाला रहा। भारत के पूर्व कप्तान और पूर्व चयन समिति अध्यक्ष क्रिस श्रीकांत ने इस फैसले पर खुलकर हैरानी जताई और कहा कि उन्हें चयनकर्ताओं से ऐसे साहसिक कदम की उम्मीद नहीं थी। हालांकि, उन्होंने इसके बावजूद मौजूदा चयन समिति की सराहना भी की। क्रिस श्रीकांत ने कहा कि शुभमन गिल को टीम से बाहर किया जाना उनके लिए 'बड़ा झटका' था। उनके मुताबिक जब किसी खिलाड़ी को उप-कप्तान बनाया जाता है, तो यह साफ संकेत होता है कि टीम मैनेजमेंट उस पर भरोसा कर रहा है। ऐसे में बड़े टूर्नामेंट की पूर्व संध्या पर गिल को बाहर करना भारतीय क्रिकेट में बहुत कम देखने को मिलता है। श्रीकांत ने अपने यूट्यूब शो में कहा कि वह इस फैसले की उम्मीद नहीं कर रहे थे, खासकर तब जब गिल हाल ही में टेस्ट और वनडे टीम में नेतृत्व की जिम्मेदारी निभा चुके हैं।

हालांकि अपनी हैरानी के बावजूद श्रीकांत ने अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति की तारीफ की। उन्होंने कहा कि चयनकर्ताओं ने एक 'शानदार' और संतुलित टीम चुनी है, जो आधुनिक टी20 क्रिकेट की मांगों के अनुरूप है। उनका मानना है कि चयन समिति ने भावनाओं से ऊपर उठकर प्रदर्शन और टीम कॉम्बिनेशन को प्राथमिकता दी। श्रीकांत के अनुसार, यह फैसला भले ही कठोर लगे, लेकिन लंबे समय में टीम के लिए फायदेमंद हो सकता है।

शुभमन गिल का टी20 अंतरराष्ट्रीय रिकॉर्ड उनके खिलाफ गया। उन्होंने 15 टी20ह मैचों में 140 से कम के स्ट्राइक रेट से 291 रन बनाए, जो एक टॉप-ऑर्डर बल्लेबाज से अपेक्षित आक्रामकता नहीं दिखाता। टी20 फॉर्मेट में तेज रन बनाने की जरूरत होती है और यहीं पर गिल पिछड़ते नजर आए। उनकी मौजूदगी के कारण भारत को संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा की सफल ओपनिंग जोड़ी को तोड़ना पड़ा, जो टीम के संतुलन पर असर डाल रहा था।

श्रीकांत ने यह भी कहा कि शुभमन गिल की काबिलियत पर कोई शक नहीं है। वनडे और टेस्ट क्रिकेट में उनका रिकॉर्ड शानदार है, खासकर विदेशी परिस्थितियों में। लेकिन टी20 क्रिकेट में उन्हें अभी खुद को साबित करना होगा। पूर्व कप्तान के अनुसार, गिल को अब धैर्य रखना होगा और जब भी मौका मिले, टी20 फॉर्मेट में अपनी स्ट्राइक रेट और प्रभाव को बेहतर बनाना होगा।

स्टुअर्ट ब्रॉड का बड़ा बयान : 'सबसे कमजोर ऑस्ट्रेलियाई टीम' वाली टिप्पणी पर कोई पछतावा नहीं

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पूर्व इंग्लैंड तेज गेंदबाज और अब कमेंटेटर स्टुअर्ट ब्रॉड ने कहा कि उनका '2010 के बाद की सबसे कमजोर ऑस्ट्रेलियाई टीम' वाला बयान पूरी तरह सही है। ब्रॉड ने इस टिप्पणी पर कोई पछतावा नहीं जताया, भले ही इंग्लैंड को एशेज 2025-26 के तीसरे टेस्ट में एडिलेड में 82 रन से हार का सामना करना पड़ा।

ब्रॉड ने एक पॉडकास्ट में कहा, 'क्या मुझे यह कहने का पछतावा है? नहीं। मैंने कहा था कि ऑस्ट्रेलिया को बहुत खराब खेलना होगा और इंग्लैंड को बहुत अच्छा खेलना होगा। ऑस्ट्रेलिया ने खराब नहीं खेला और इंग्लैंड अच्छा नहीं खेला।'

ब्रॉड ने यह भी कहा कि इंग्लैंड को कुछ राहत मिली क्योंकि ऑस्ट्रेलिया की तरफ से कुछ प्रमुख खिलाड़ी नहीं खेले। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई टीम की लगातार दबाव बनाने की क्षमता की सराहना की और कहा कि उनका बयान पिछले ऑस्ट्रेलियाई टीमों से तुलना पर आधारित था। ब्रॉड ने आगे कहा, '2013-14 की ऑस्ट्रेलियाई टीम व्यक्ति-व्यक्ति तुलना में शायद बेहतर थी। आज की टीम व्यक्तिगत रूप से किसी भी टीम से बेहतर नहीं है, लेकिन उन्होंने इंग्लैंड पर लगातार दबाव बनाए रखा।'

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस, ट्रैविस हेड और तेज़ गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने ब्रॉड की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया दी। हेड ने सोशल मीडिया पर कमिंस के साथ पोस्ट साझा करते हुए मज़ाकिया अंदाज़ में लिखा, 'क्या अब 2010 हो गया है?' स्टार्क ने कहा, 'यह खास है कि हमने एशेज जीती। बहुत कुछ हो रहा है बाहर की दुनिया में, लेकिन हम ज्यादा ध्यान नहीं देते। हमें अगले दो टेस्ट जीतने की चाहत है।' एशेज जीतने की उम्मीदों के खत्म होने के बाद इंग्लैंड अब मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर मैदान में उतरेगा, जहां वह सिर्फ सम्मान की खातिर खेलेगा और वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 में अपनी उम्मीदों को जीवित रखेगा।

अंडर-19 एशिया कप जीतकर मालामाल हुई पाकिस्तान टीम

प्रत्येक खिलाड़ी को मिलेंगे एक-एक करोड़ रुपए

कराची **(एजेंसी)**। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने सोमवार को अपने देश की अंडर-19 एशिया कप विजेता टीम के प्रत्येक खिलाड़ी के लिए एक करोड़ रुपए के विशेष नकद पुरस्कार की घोषणा की। पाकिस्तान की युवा टीम ने रविवार को दुबई में खेले गए फाइनल में भारत को 191 रन से हराकर खिताब जीता था।

शरीफ ने इस्लामाबाद में टीम और उसके सहयोगी स्टाफ के लिए आयोजित किए गए स्वागत समारोह में यह घोषणा की। टीम के मेंटोर (मार्गदर्शक) और मैनेजर सरफराज अहमद ने स्वागत समारोह के बाद मीडिया को बताया कि प्रधानमंत्री ने प्रत्येक खिलाड़ी को एक करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है। इससे पहले रिपोर्टों के अनुसार पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने एशिया कप जीतने वाली जूनियर टीम के खिलाड़ियों के लिए 50-50 लाख रुपए के नकद पुरस्कार की घोषणा की है।

भारत-न्यूजीलैंड एफटीए का उद्योग जगत ने किया स्वागत, व्यापार-निवेश बढ़ने की उम्मीद

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। द्योग जगत ने भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौते के लिए वार्ता संपन्न होने का स्वागत करते हुए सोमवार को कहा कि प्रस्तावित समझौते से द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा मिलने और दोनों देशों की कंपनियों के लिए विकास के नए अवसर पैदा होने की उम्मीद है। यह समझौता घरेलू वस्तुओं विशेष रूप से श्रम-प्रधान क्षेत्रों से आने वाली वस्तुओं को शुल्क-मुक्त पहुंच प्रदान करेगा और इसमें 15 वर्षों में 20 अरब अमेरिकी डॉलर के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की प्रतिबद्धता शामिल है। इससे पांच वर्षों में वस्तुओं और सेवाओं में द्विपक्षीय व्यापार दोगुना पांच अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है।

उद्योग मंडल फिक्की के अध्यक्ष अनंत गोयनका ने कहा, ''भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते का स्वागत है। यह हिंद-प्रशांत क्षेत्र के साथ आर्थिक जुड़ाव को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस समझौते से द्विपक्षीय व्यापार, निवेश प्रवाह और सहयोग में वृद्धि होने की उम्मीद है, जिससे दोनों देशों की कंपनियों के लिए विकास के नए अवसर सृजित होंगे।'' पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) के सीईओ और महासचिव रंजीत मेहता ने कहा कि भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौता व्यापार उदारीकरण को प्रतिभा आवाजाही, निवेश और उत्पादकता-आधारित सहयोग के साथ जोड़ने वाला अगली पीढ़ी का समझौता है।''

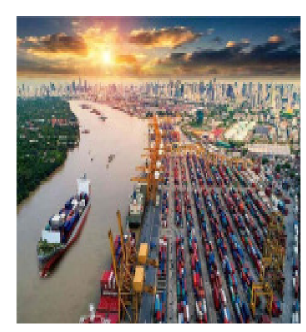

मेहता ने कहा, ''यह समझौता नीतिगत निश्चितता प्रदान करता है और विनिर्माण के लिए कच्चे माल कर लागत को कम करता है, जिससे दीर्घकालिक आर्थिक मजबूती की संभावना बनती है।'' न्यूजीलैंड को भेड़ के मांस, ऊन, कोयला और वनों एवं लकड़ी से बनी 95 प्रतिशत से अधिक वस्तुओं पर शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी। समझौते के तहत न्यूजीलैंड को कीवी फल, शराब, कुछ समुद्री खाद्य पदार्थ, चेरी, एवोकाडो, पर्सिमन, शिशु 'फॉर्मूला', मनुका शहद और दूध 'एल्ब्यूमिन' जैसी कई अन्य वस्तुओं पर शुल्क छूट भी मिलेगी। घरेलू किसानों और सूक्ष्म लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) के हितों की सुरक्षा के लिए भारत राजनीतिक रूप से संवेदनशील दुग्ध क्षेत्र जैसे दूध, क्रीम, व्हे, दही तथा पनीर में कोई शुल्क छूट नहीं देगा।

वर्ष 2025 में रियल्टी क्षेत्र में रिकॉर्ड 10.4 अरब डॉलर का संस्थागत निवेश आया : जेएलएल

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र में 2025 के दौरान संस्थागत निवेश 17 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 10.4 अरब अमेरिकी डॉलर पर पहुंचने का अनुमान है। जेएलएल ने यह जानकारी देते हुए कहा कि बेहतर प्रतिफल के लिए घरेलू और विदेशी, दोनों निवेशकों ने वाणिज्यिक और आवासीय परियोजनाओं में पूंजी लगाई है। रियल एस्टेट सलाहकार जेएलएल इंडिया ने सोमवार को जारी आंकड़ों में बताया कि 2025 में भारतीय रियल एस्टेट में कुल संस्थागत निवेश का 52 प्रतिशत योगदान घरेलू निवेशकों का रहा। बाकी 48 प्रतिशत विदेशी कोषों से आया।

आंकड़ों के मुताबिक, भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र में संस्थागत निवेश का अनुमान 1, 040 करोड़ अमेरिकी डॉलर है, जबकि 2024 में यह 887.8 करोड़ डॉलर था। सलाहकार ने कहा कि विभिन्न परिसंपत्ति वर्गों में कार्यालय खंड ने संस्थागत निवेश में फिर से अपना वर्चस्व कायम किया और 2025 में 58 प्रतिशत की मजबूत बाजार हिस्सेदारी हासिल की। कुल निवेश में आवासीय खंड की हिस्सेदारी 20 प्रतिशत, डेटा सेंटर की आठ प्रतिशत, लॉजिस्टिक और औद्योगिक पार्क की आठ प्रतिशत, खुदरा की चार प्रतिशत और होटल की दो प्रतिशत रही।

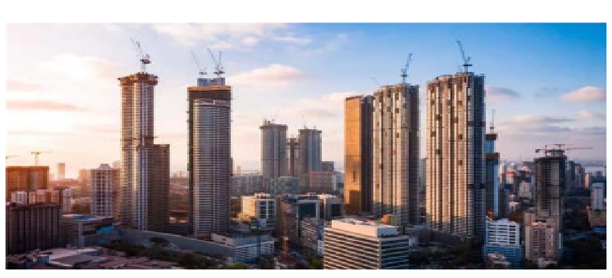

खुदरा मुद्रास्फीति, जीडीपी, औद्योगिक उत्पादन आंकड़ों के आधार वर्ष में अगले साल होगा बदलाव

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि वह खुदरा मुद्रास्फीति, राष्ट्रीय लेखा और औद्योगिक उत्पादन से जुड़े प्रमुख व्यापक आर्थिक आंकड़ों की नई श्रृंखला अगले वर्ष जारी करेगा, जिसमें आधार वर्ष बदला गया होगा। मंत्रालय ने बयान में कहा कि वह उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित खुदरा मुद्रास्फीति और राष्ट्रीय लेखा से संबंधित नई श्रृंखला को फरवरी, 2026 में जारी करेगा जबकि औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) की नई श्रृंखला मई, 2026 में जारी की जाएगी।

आधिकारिक बयान के मुताबिक, सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी), उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) और औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के आधार वर्ष में बदलाव को लेकर मंगलवार को एक परामर्श कार्यशाला आयोजित की जाएगी। इसके पहले मुंबई में 26 नवंबर को पहली कार्यशाला आयोजित की गई थी। मंत्रालय ने बताया कि खुदरा मुद्रास्फीति की नई श्रृंखला का आधार वर्ष 2024 होगा और इसे 12 फरवरी, 2026 को जारी किया जाएगा। वहीं, राष्ट्रीय लेखा से जुड़े आंकड़े वित्त वर्ष 2022-23 को आधार वर्ष मानते हुए 27 फरवरी, 2026 को जारी किए जाएंगे। इसके अलावा, आईआईपी की नई श्रृंखला का आधार वर्ष भी 2022-23 होगा जिसे 28 मई, 2026 को जारी किया जाएगा।

मंत्रालय ने कहा कि आधार वर्ष में बदलाव पर होने वाली परामर्श कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य जीडीपी, सीपीआई और आईआईपी के आधार वर्ष संशोधन के तहत प्रस्तावित पद्धतिगत और संरचनात्मक बदलावों को साझा करना और प्रतिभागियों से सुझाव एवं टिप्पणियां प्राप्त करना है। इससे उपयोगकर्ताओं को संशोधित श्रृंखला में होने वाले बदलावों को समझने में मदद मिलेगी। कार्यशाला में प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रियों, वित्तीय संस्थानों और बैंकिंग क्षेत्र के विशेषज्ञों, मामले के जानकार, प्रमुख सांख्यिकीय आंकड़ों के उपयोगकर्ताओं और केंद्र एवं राज्य सरकारों के वरिष्ठ अधिकारियों की भागीदारी होगी। इस कार्यशाला में नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन के. बेरी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इसके अलावा मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन, मंत्रालय के सचिव सौरभ गर्ग और केंद्रीय सांख्यिकी महानिदेशक एन. के. संतोषी भी उपस्थित रहेंगे।

1 अप्रैल 2026 से टैक्स नियमों में बड़ा बदलाव, होगी ईमेल और इंस्टाग्राम की जांच

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। 1 अप्रैल 2026 से टैक्स सिस्टम में एक बड़ा और अहम बदलाव लागू होने जा रहा है। टैक्स चोरी पर लगाम कसने के लिए सरकार डिजिटल मोर्चे पर सख्ती बढ़ा रही है। नए नियमों के तहत आयकर विभाग को जरूरत पड़ने पर सोशल मीडिया अकाउंट्स, ईमेल, क्लाउड स्टोरेज और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म्स तक कानूनी रूप से पहुंच बनाने का अधिकार मिलेगा।

आयकर विभाग ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए बताया कि 1961 के इनकम टैक्स एक्ट की जगह लेने वाला यह नया कानून टैक्स सिस्टम को ज्यादा सरल, पारदर्शी और प्रभावी बनाने की दिशा में बड़ा सुधार है।

आज के डिजिटल दौर में कमाई, निवेश, बिजनेस डील्स और लेन-देन का बड़ा हिस्सा ऑनलाइन हो चुका है। इसके साथ ही टैक्स चोरी के तरीके भी डिजिटल हो गए हैं। सरकार का मानना है कि नए अधिकारों से फर्जी कंपनियों, बेनामी लेन-देन और छुपी हुई आमदनी पर कार्रवाई आसान और तेज हो सकेगी। आसान शब्दों में कहें तो अगर किसी व्यक्ति की लाइफस्टाइल, खर्च या ऑनलाइन गतिविधियां उसकी घोषित आमदनी से मेल नहीं खातीं, तो आयकर विभाग जांच शुरू कर सकता है।

प्रियंका चोपड़ा ने निक जोनास को चखाया हाजमोला का स्वाद, खाने के बाद दिया रिएक्शन, हो गया हंगामा

प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में बताया कि उनके अमेरिकी पति निक जोनास के हाजमोला खाने के बाद क्या हुआ। एक्ट्रेस ने बताया कि मना करने के बाद भी, निक जोनास ने जिज्ञासा के कारण उन्होंने हाजमोला खा लिया। प्रियंका ने बताया कि उनके सिंगर पति का इस पर मज़ेदार रिएक्शन था। आइए देखते हैं क्या हुआ।

शो में शानदार एंट्री के बाद, प्रियंका चोपड़ा ने होस्ट और कॉमेडियन कपिल शर्मा के साथ कुछ मज़ेदार और खुलकर बातें कीं। जब कपिल ने प्रियंका, यानी पीसी के साथ फ्लर्ट करना शुरू किया और उनसे पूछा कि निक जोनास ऐसी घटनाओं पर कैसे रिएक्ट करते हैं, तो उन्होंने शांत तरीके से जवाब दिया और बताया कि प्रियंका और निक का रिश्ता बहुत मज़बूत है, इसलिए उनके पति के साथ सब ठीक है। हालांकि, पीसी ने कपिल को अपना फ्लर्ट करने का तरीका बदलने की सलाह दी और उनकी पत्नी गिन्नी से भी बात की, जिन्होंने उनसे रिक्वेस्ट की कि वह कपिल को फ्लर्ट करने का कोई नया और दिलचस्प तरीका सिखाएं।

प्रियंका चोपड़ा ने एक मज़ेदार घटना शेयर की जो भारतीयों से काफी मिलती-जुलती है। जब कपिल ने पूछा कि क्या निक ने कभी अचार खाया है, तो ग्लोबल स्टार ने उनसे कहा कि वह सोचें कि हाजमोला खाने पर एक अमेरिकी का रिएक्शन कैसा होगा। प्रियंका चोपड़ा ने बताया कि 'मेरा एक ड्रॉअर है जिसमें आम पापड़, हाजमोला और चटपटी चीजें होती हैं और निक पूछते हैं इसमें क्या है, उनको सब जानना है तो मैंने खिला दिया हाजमोला' वह कहते हैं, 'इसकी गंध फार्ट (पाद) जैसी क्यों है?' इस घटना पर ऑडियंस में मौजूद सभी लोग हंस पड़े और पूरा माहौल हंसी से गूंज उठा। प्रियंका चोपड़ा के बारे में और जानें प्रियंका चोपड़ा फिलहाल एसएस राजामौली की मेगा फिल्म 'वाराणसी' में काम कर रही हैं, जिसमें महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन भी हैं। यह फिल्म साल 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। यह फिल्म प्रियंका चोपड़ा की इंडियन कमर्शियल फिल्मों में वापसी होगी।

निधि अग्रवाल के बाद अब सामंथा रुथ प्रभु के साथ बदसलूकी धक्का-मुक्की में खिंच गई साड़ी! वीडियो वायरल

निधि अग्रवाल के साथ हुई ऐसी ही घटना के कुछ दिनों बाद, हैदराबाद में सामंथा रुथ प्रभु के भीड़ में फंसने के बाद सेलेब्रिटी की सुरक्षा को लेकर चिंताएं फिर से सामने आ गई हैं। ऑनलाइन सर्कुलेट हो रहे वीडियो में सामंथा को एक प्रोफेशनल काम के लिए बाहर निकलते समय भीड़ द्वारा घेरा हुआ दिखाया गया है, जिससे एक बार फिर फिल्म स्टार्स के पब्लिक अपीयरेंस में भीड़ कंट्रोल की कमी पर ध्यान गया है।

यह घटना रविवार शाम को हुई जब सामंथा कथित तौर पर हैदराबाद में एक स्टोर के उद्घाटन में शामिल हो रही थीं। वायरल क्लिप में, एक्टर को बड़ी भीड़ से घिरे होने के कारण आगे बढ़ने में संघर्ष करते हुए देखा जा सकता है। सुरक्षाकर्मी उन्हें पकड़े हुए हैं और सावधानी से उनकी कार तक ले जा रहे हैं, जबकि देखने वाले लोग करीब आने की कोशिश में धक्का-मुक्की कर रहे हैं। इस परेशान करने वाली स्थिति के बावजूद, सामंथा शांत रहीं और उन्होंने अब तक कोई पब्लिक बयान जारी नहीं किया है। एक और वीडियो में सामंथा की एक झलक पाने के लिए वेन्यू पर जमा हुई भारी भीड़ दिखाई गई।

इस इवेंट के लिए, सामंथा ने गोल्डन और ब्लैक सिल्क साड़ी पहनी थी। उन्होंने अपना मेकअप हल्का रखा था और बाल खुले रखे थे। हालांकि सामंथा अपनी सिक्योरिटी टीम से घिरी हुई थीं, लेकिन फिर भी एक्ट्रेस के लिए रास्ता बनाना उनके लिए एक चुनौती थी।

सोशल मीडिया यूजर्स ने इस घटना पर अपनी निराशा व्यक्त की है। एक यूजर ने ` पर लिखा, 'राजासाब की घटना के बाद भी साउथ में कुछ फैंस को अभी भी सीमाओं को समझने में दिक्कत क्यों होती है? जुनून अच्छा है, लेकिन सम्मान और पर्सनल स्पेस भी मायने रखता है।' एक इंस्टाग्राम यूजर ने कमेंट किया, 'मुझे लगता है कि हमें लोगों को सिविक सेंस सिखाना शुरू करना होगा ।' एक और ने जोड़ा, 'इन लोगों को क्या हो गया है ।' 38 साल की एक्ट्रेस ने हाल ही में 1 दिसंबर, 2025 को एक प्राइवेट सेरेमनी में द फैमिली मैन के डायरेक्टर राज निदिमोरु से शादी की है। वर्क फ्रंट पर, वह आखिरी बार वरुण धवन के साथ प्राइम वीडियो की सीरीज सिटाडेलः हनी बनी में नज़र आई थीं। वह अगली बार राज और डीके के आने वाले प्रोजेक्ट, रक्त ब्रह्मांडः द ब्लडी किंगडम में दिखाई देंगी। जिन्हें नहीं पता, राज निदिमोरु एक जाने-माने लेखक, निर्देशक और निर्माता हैं, जो हिट सीरीज द फैमिली मैन के लिए सबसे ज़्यादा जाने जाते हैं।

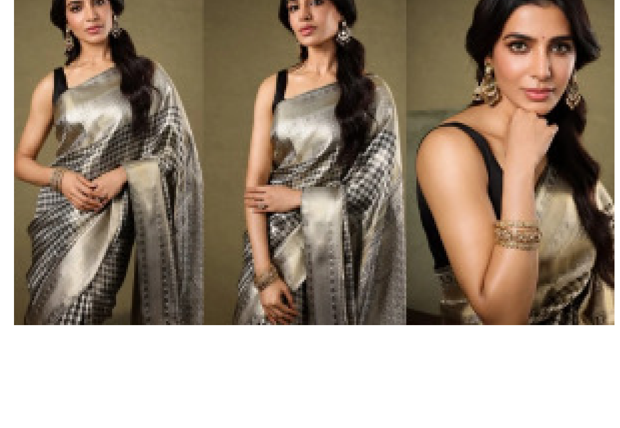

उच्च कमान का निर्णय अंतिम है

मुख्यमंत्री विवाद पर बोले सिद्धारमैया पार्टी किसी भी व्यक्ति से बड़ी है

बेंगलुरु **(एजेंसी)**। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने दोहराया कि नेतृत्व संबंधी मामलों में कांग्रेस पार्टी का उच्च कमान सर्वोच्च अधिकार रखता है, और इस बात पर जोर दिया कि व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएं संगठन के लिए गौण हैं। सिद्धारमैया ने सोमवार को कहा कि उच्च कमान का निर्णय अंतिम है। खर्गे जी ने जो कहा वह सही है, कि पार्टी किसी भी व्यक्ति से बड़ी है। इससे पहले, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कर्नाटक में नेतृत्व संघर्ष की अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि केंद्रीय नेतृत्व स्तर पर कोई भ्रम नहीं है और ऐसी कोई भी धारणा केवल राज्य इकाई तक ही सीमित है।

कर्नाटक में सत्ता बंटवारे को लेकर नई अटकलों के बीच, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने दोहराया कि वे कांग्रेस उच्च कमान के बुलावे पर ही नई दिल्ली जाएंगे, और वह भी मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के साथ। शिवकुमार ने शनिवार को बेंगलुरु में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ये टिप्पणियां कीं, जब उनसे पूछा गया कि क्या वे और मुख्यमंत्री पार्टी नेतृत्व से मिलने के लिए दिल्ली जाएंगे। डीके शिवकुमार ने कहा, 'मैं चुपके से दिल्ली नहीं जाऊंगा। जब हाई कमांड बुलाएगा, मैं मुख्यमंत्री के साथ जाऊंगा। अगर हम यात्रा करेंगे, तो हम आपको (मीडिया को) सूचित करेंगे।'

इस बीच, सिद्धारमैया ने ढाई साल के सत्ता-साझाकरण समझौते के दावों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि जब तक पार्टी नेतृत्व कोई और फैसला नहीं लेता, तब तक वे मुख्यमंत्री बने रहेंगे। सिद्धारमैया ने कहा कि पहले जनता का आशीर्वाद ज़रूरी है। फिर विधायक दल की बैठक में नेता का चुनाव करते हैं, और उसके बाद हाई कमांड फैसला लेता है। मैंने बस इतना ही कहा है। अभी भी मैं मुख्यमंत्री हूं, और जब तक हाई कमांड कोई और फैसला नहीं लेता, तब तक मैं मुख्यमंत्री बना रहूंगा।

कांग्रेस हाई कमांड द्वारा डीके शिवकुमार को मुख्यमंत्री नियुक्त किए जाने की अटकलें कुछ दिनों से जारी थीं, लेकिन दोनों नेताओं के एक-दूसरे के आवास पर नाश्ते पर मिलने और बाद में एकता का प्रदर्शन करने के लिए संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस करने के बाद पार्टी ने इन अटकलों को शांत करने का प्रयास किया। इससे पहले, डीके शिवकुमार ने कथित रात्रिभोज बैठक की अटकलों को खारिज कर दिया था।

दिल्ली में जीआरएपी-4 के परिणाम आ रहे सामने, मजिंदर सिंह सिरसा की चेतावनी

प्रदूषण फैलाने वाले को बिना किसी पूर्व सूचना के किया जाएगा सील

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दिल्ली के मंत्री मजिंदर सिंह सिरसा ने सोमवार को कहा कि जीआरएपी-4 के तहत लागू किए गए सख्त उपायों से सकारात्मक परिणाम मिले हैं, हालांकि पश्चिमी विक्षोभ के कारण राष्ट्रीय राजधानी में खराब मौसम का प्रकोप जारी है। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए सिरसा ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से दिल्ली में मौसम बेहद खराब बना हुआ है, जिसके चलते सरकार को कड़े प्रतिबंध लगाने पड़े हैं। उन्होंने कहा कि पिछले चार दिनों से जीआरएपी-4 के तहत प्रतिबंध लागू हैं और हमें अच्छे परिणाम देखने को मिले हैं।

प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों को चेतावनी देते हुए सिरसा ने कहा कि चिन्हित उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ सीलिंग की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि हमने जिन प्रदूषण फैलाने वाली फैक्ट्रियों की पहचान की है, उन्हें बिना किसी पूर्व सूचना के सील कर दिया जाएगा। उन्हें पहले भी

कई मौके दिए जा चुके हैं। उन्होंने आगे कहा कि जो उद्योग 31 अक्टूबर की समय सीमा तक ओसेम के लिए आवेदन करने में विफल रहे, उन्हें भी तत्काल सील कर दिया जाएगा।

मंत्री ने बताया कि वाहनों से होने वाले प्रदूषण को रोकने के लिए एक व्यापक अभियान चल रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले चार दिनों में अब तक 2, 12, 332 प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्रों की जांच की गई है, जिनमें से लगभग 10, 000 वाहन जांच में असफल रहे हैं। सिरसा ने आगे कहा कि शिकायतें मिली हैं कि कुछ निजी कंपनियां जीआरएपी-4 के तहत वर्क-फ्रॉम-होम सलाह का पूरी तरह से पालन नहीं कर रही हैं। 'अगर हमें ऐसी किसी कंपनी के खिलाफ शिकायत मिलती है, तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा कि दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के उपायुक्तों ने दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) के साथ मिलकर शहर भर में अनधिकृत उद्योगों को सील करना शुरू कर दिया है। मंत्री ने बताया कि प्रदूषण के स्तर को कम करने के लिए सड़कों की सफाई रात में की जा रही है और दिल्ली के कचरा डंपों से प्रतिदिन लगभग 35, 000 मीट्रिक टन कचरा हटाया जा रहा है। पर्यावरण संरक्षण के विषय पर सिरसा ने कहा कि सरकार डीडीए और दिल्ली राजस्व विभाग की मदद से पुराने जल निकायों को पुनर्जीवित करने के प्रयासों में तेजी ला रही है। उन्होंने कहा, 'हमारा लक्ष्य अतिक्रमण जैसी चुनौतियों के बावजूद, वर्षों से पूरी तरह से लुप्त हो चुके कम से कम 50 प्रतिशत जल निकायों को पुनर्जीवित करना है।'

गोवा क्लब आग : अदालत ने लूथरा बंधुओं की पुलिस हिरासत 26 दिसंबर तक बढ़ाई

सुरिंदर खोसला के खिलाफ भी जारी होगा ब्लू कॉर्नर नोटिस

पणजी **(एजेंसी)**। मापुसा की एक अदालत ने सोमवार को लूथरा बंधुओं - सौरभ और गौरव - की पुलिस हिरासत 26 दिसंबर तक बढ़ा दी। लूथरा बंधु 'बर्च बाय रोमियो लेन' नाइटक्लब के सह-मालिक हैं, जिसमें 6 दिसंबर को आग लगने से 25 लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हो गए थे। मापुसा न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी (जेएमएफसी) अदालत ने उनकी हिरासत बढ़ा दी। इसके अलावा, मापुसा जेएमएफसी अदालत ने अजय गुप्ता को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। गुप्ता 'बर्च बाय रोमियो लेन' के तीसरे साझेदार हैं।

16 दिसंबर को लूथरा बंधुओं को थाईलैंड से निर्वासित किए जाने के बाद दिल्ली से गोवा लाया गया था। दिल्ली की एक अदालत ने नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर उतरने के बाद आरोपियों की 48 घंटे की ट्रांजिट रिमांड गोवा पुलिस को दी थी। 17 दिसंबर को, दिल्ली हवाई अड्डे पर गिरफ्तारी के बाद आरोपियों को मापुसा न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी (जेएमएफसी) अदालत में पेश किया गया। अदालत ने दोनों भाइयों को 5 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया था। पीड़ितों के परिवार का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील विष्णु जोशी ने एएनआई को बताया कि नए खुलासे हुए हैं, जिसमें पुलिस का आरोप है कि भाइयों के व्यापार लाइसेंस और अन्य संबंधित दस्तावेज जाली थे। 6 दिसंबर को अरपोरा नाइटक्लब में लगी आग में 25 लोगों की जान चली गई थी, जिसके बाद सरकार ने क्लब मालिकों के खिलाफ कथित लापरवाही और अनिवार्य सुरक्षा नियमों के उल्लंघन के आरोप में आपराधिक कार्यवाही शुरू कर दी है।

सुप्रीम कोर्ट ने मानिकराव कोकाटे की दोषसिद्धि पर लगाई रोक

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। सर्वोच्च न्यायालय ने धोखाधड़ी और जालसाजी के एक मामले में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के नेता माणिकराव कोकाटे को बड़ी राहत दी। शीर्ष न्यायालय ने इस मामले में उनकी सजा पर रोक लगा दी है। न्यायालय ने महाराष्ट्र विधानसभा से उनकी अयोग्यता पर भी रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाई कोर्ट के उस आदेश को चुनौती देने वाली अपील पर सुनवाई की, जिसमें 1995 के धोखाधड़ी मामले में कोकाटे की दोषसिद्धि पर रोक लगाने से इनकार कर दिया गया था। इसके अलावा, मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की अवकाशकालीन पीठ ने कोकाटे की याचिका पर महाराष्ट्र सरकार को नोटिस जारी किया।

पीठ ने कहा कि नोटिस जारी करें। इस बीच, याचिकाकर्ता की दोषसिद्धि पर इस हद तक रोक रहेगी कि विधानसभा सदस्य के रूप में उनकी कोई अयोग्यता नहीं होगी। हालांकि, वे किसी भी लाभ के पद पर नहीं रह सकेंगे। गौरतलब है कि माणिकराव कोकाटे और उनके भाई विजय कोकाटे को 1995 में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए आरक्षित आवास योजना के कथित दुरुपयोग के मामले में दोषी ठहराया गया था। यह मामला 10 प्रतिशत कोटा के अनुचित लाभ से संबंधित था, और दोनों भाइयों को धोखाधड़ी और जालसाजी जैसे आरोपों में दोषी पाया गया था।

दिल्ली में पीएम मोदी और अमित शाह से मिले नीतीश, सम्राट चौधरी भी रहे साथ

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। बिहार के मुख्यमंत्री और जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के नेता नीतीश कुमार ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इन बैठकों का महत्व इसलिए भी अधिक है क्योंकि एक महीने पहले रिकॉर्ड दसवीं बार मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद यह दिल्ली की उनकी पहली यात्रा थी। कुमार के साथ उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह भी थे।

हालांकि कुमार ने इन मुलाकातों को शिष्टाचार भेंट बताया, लेकिन जेडीयू के वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि बिहार के विकास के रोडमैप और चुनावी वादों को पूरा करने के लिए केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित दृष्टिकोण की आवश्यकता होगी। बैठक में राज्यसभा चुनाव, जिसमें बिहार की सभी पांच सीटें एनडीए को मिलने की संभावना है, विधान परिषद चुनाव और मंत्रिमंडल विस्तार जैसे मुद्दों पर भी चर्चा होने की संभावना है।

जेडी-यू के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि शिष्टाचार मुलाकातों में भी राज्य से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होती है। चुनाव में भारी जनादेश मिलने के बाद बिहार सरकार ने इस दिशा में काम करना शुरू कर दिया है, लेकिन राज्य को केंद्र सरकार के निरंतर समर्थन की आवश्यकता होगी। प्रधानमंत्री भी औद्योगीकरण और निवेश के साथ बिहार के विकास के अगले चरण के लिए प्रतिबद्ध हैं, और यही इस बैठक को और भी महत्वपूर्ण बनाता है।

एपस्टीन फ़ाइलें से किसने गायब की थीं ट्रंप की तस्वीरें? सवाल उठे तो अमेरिकी न्याय विभाग ने क्या नया बताया

वाशिंगटन **(एजेंसी)**। चमकती रोशनियां, आलीशान महल, निजी जेट और बंद दरवाजों के पीछे छिपी एक ऐसी दुनिया जहां ताकत, पैसा और रसूख एक दूसरे में खुलकर बड़े स्कैंडल को अंजाम दे रहे थे। यह किसी फिल्म की कहानी नहीं है। यह हकीकत है। यह कहानी है जेफरी एबस्टीन की और उन रहस्यमई फाइलों की जिन्हें दुनिया सालों से सामने आने का इंतजार कर रही है। इन फाइलों में दुनिया के बड़े चेहरों के सेक्स स्कैंडल का खुलासा है। कई पूर्व राष्ट्रपति, बड़े बिजनेस कारोबारी और ऐसे तमाम लोग हैं जिन्हें दुनिया बेहद कामयाब मानती है। लेकिन अब सवाल उठ रहा है कि इस फाइल में क्या राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फोटो और कारनामे छिपे थे? क्या इन्हें अब गायब कर दिया गया है?

एपस्टीन से जुड़े एक पुरानी तस्वीर जिसमें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नाम लिया जा रहा था। क्या वो तस्वीर 24 घंटे के अंदर ऑनलाइन प्लेटफार्म से हटा दी गई? दावा किया गया कि जो दस्तावेज सार्वजनिक पोर्टल से हटे हैं उनमें ऐसी कई तस्वीरें और फाइलें थी जो एफसीन की निजी संपत्ति से जुड़ी बताई जा रही थी। इनमें उसके घर में मौजूद कलाकृतियों, फर्नीचर और निजी ड्रर से जुड़ी तस्वीरें शामिल थी। कुछ तस्वीरों को लेकर दावा किया गया कि वे आपत्तिजनक प्रकृति की थी। इन फाइलों में एक फोटो ऐसी भी थी जिसमें जेफरी एस्टीन के साथ डोनल्ड ट्रंप, उनकी पत्नी मिलानिया ट्रंप और घिसलेन मैक्सवेल नजर आ रहे थे।

अमेरिकी उप अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लैंच ने कहा कि जेफरी एपस्टीन फाइलों से डोनाल्ड ट्रंप की तस्वीर सहित अन्य तस्वीरों को हटाने का राष्ट्रपति से कोई संबंध नहीं है। न्याय विभाग ने एक दिन पहले हटाई गई ट्रंप की तस्वीर को बहाल कर दिया है। अमेरिकी न्याय विभाग ने कहा कि उसने यह निष्कर्ष निकालने के बाद तस्वीर को बहाल किया कि दिवंगत यौन अपराधी के पीड़ितों के लिए इस तस्वीर के सार्वजनिक होने का कोई खतरा नहीं है। शनिवार को बिना किसी स्पष्टीकरण के इसे हटाए जाने के बाद डेमोक्रेट्स ने राष्ट्रपति के पक्ष में राजनीतिक हस्तक्षेप के आरोप लगाए, जो एपस्टीन के पूर्व मित्र थे। ब्लैंच ने कहा कि पीड़ित सहायता समूहों के अनुरोध पर कुल 16 तस्वीरें हटाई गई हैं। ब्लैंच ने बताया कि तस्वीरों की जांच जारी है और यह तय होने के बाद कि उनमें कोई बदलाव करने की आवश्यकता है या नहीं, उन्हें संभवतः दोबारा अपलोड कर दिया जाएगा।

भारत पर हमले के लिए तुर्की ने पाकिस्तान भेजा पीएनएस खैबर? अब होगी तबाही!

अंकारा **(एजेंसी)**। तुर्की अपना एमआईएल जीईएमपीएनएस खेबर युद्ध पोत अचानक पाकिस्तान को सौंप रहा है। भारत ने तुर्की की उसकी सबसे खराब समय में मदद की और आज की तारीख में वही देश भारत के खिलाफ मैदान में उतर आया है और लगातार भारत के दुश्मन देश पाकिस्तान के साथ मिलकर भारत के खिलाफ साजिश रच रहा है और पाकिस्तान को हथियारों की मदद कर रहा है जिससे वह भारत के साथ जंग लड़ सके और भारत को बर्बाद कर सके। दरअसल तुर्की ने बांग्लादेश और पाकिस्तान के साथ हाथ मिला लिया है भारत को टारगेट करने के लिए। हाल ही के दिनों में दिल्ली ब्लास्ट में भी तुर्की का नाम सामने आया था। मगर अब खबरें सामने आई हैं कि तुर्की ने पाकिस्तान के वर्षों पुराने सपने को पूरा कर दिया है।

रिपोर्ट्स में कहा गया कि पीएन एमआईएलजीईएम प्रोजेक्ट के तहत तुर्की में पाकिस्तानी नौसेना के लिए बने युद्धपोथ के सफलतापूर्वक लाइव फायर टेस्ट पूरे कर लिए गए हैं। दावा किया गया है कि इस लाइव फायरिंग टेस्ट में उच्च स्तर की तकनीकी क्षमता, सिस्टम इंटीग्रेशन,

ऑपरेशनल विश्वसनीयता पर प्रदर्शन हुआ है। एजेंसी ने बताया कि इस यूथपोथ को पाकिस्तान के लिए खासतौर पर डिजाइन किया गया है। पीएनएमआईएलजीईएम प्रोजेक्ट के तहत तुर्की पाकिस्तान के लिए चार यूथपोत बना रहा है। जिनमें से दूसरे युद्धपोत पीएनएस खेबर ने हालिया परीक्षणों के दौरान समुद्र से जमीन पर हवा और दोनों ही लक्ष्यों पर सटीक निशाना साधा।

गौरतलब है कि पाकिस्तान ने प्रौद्योगिकी हस्तांतरण समझौते के तहत चार मिलगेम श्रेणी के जहाजों के निर्माण के लिए 2018 में तुर्की के साथ एक समझौता किया था। समझौते के अनुसार, दो जहाजों का निर्माण तुर्की में होना था, जबकि शेष दो का निर्माण पाकिस्तान में हो रहा है। एर्दोगन ने इस जहाज की सराहना करते हुए इसे तुर्की के लिए गर्व का स्रोत बताया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को दो युद्धपोत सौंपने का काम पूरा हो गया है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, सितंबर 2018 में हमने पाकिस्तानी नौसेना की जरूरतों को पूरा करने के लिए 4 मिलगेम जहाजों के निर्माण अनुबंध पर हस्ताक्षर किए थे। हमने पहला जहाज, पीएनएस बाबर, 24 मई 2024 को पाकिस्तान को सौंप दिया। आज, हमने पीएनएस हेबर की डिलीवरी भी पूरी कर ली है, जिसने सभी परीक्षण सफलतापूर्वक पूरे कर लिए हैं।

तुर्की, पाकिस्तान का एक प्रमुख सहयोगी देश है, जिसके साथ आर्थिक, सैन्य और तकनीकी क्षेत्रों में सहयोग है। युद्धपोतों के अलावा, पाकिस्तान ने तुर्की से 30 एटीएके हमलावर हेलीकॉप्टरों का ऑर्डर दिया है। जम्मू और कश्मीर के मुद्दे पर एर्दोगन लगातार पाकिस्तान के रुख का समर्थन करते रहे हैं और पाकिस्तान द्वारा इस क्षेत्र के कुछ हिस्सों पर अवैध कब्जा करने के बावजूद इस्लामाबाद का साथ देते रहे हैं।

मैं घर आना चाहता हूं, मोदी जी मेरी मदद

यूक्रेन में पकड़े गए गुजरात के शख्स ने प्रधानमंत्री को भेजा मैसेज

कीव **(एजेंसी)**। गुजरात के मोरबी जिले के 23 वर्षीय युवक, जो कथित तौर पर रूस की ओर से लड़ने के आरोप में यूक्रेन की हिरासत में है, ने अपनी रिहाई के लिए भारत सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मदद की अपील की है। अपने परिवार को भेजे गए वीडियो संदेशों में, उसने रूस में पढ़ाई या काम के लिए जाने की योजना बना रहे भारतीय नागरिकों को धोखाधड़ी से सावधान रहने की चेतावनी भी दी है। मोरबी निवासी साहिल मोहम्मद हुसैन माजोथी नाम का यह युवक इस साल अक्टूबर की शुरुआत में तब सुर्खियों में आया, जब यूक्रेनी अधिकारियों ने उसका एक वीडियो जारी किया, जिसमें वह यूक्रेनी सेना के सामने आत्मसमर्पण करता दिख रहा था।

माजोथी 10 जनवरी, 2024 को सेंट पीटर्सबर्ग में आईटीएमओ विश्वविद्यालय में रूसी भाषा और संस्कृति का पाठ्यक्रम करने के लिए छात्र वीज़ा पर गए थे। बाद में वे कानूनी मुश्किलों में फंस गए, रूस में जेल गए और कथित तौर पर रूसी सेना में जबरन भर्ती हो गए, जिसके बाद यूक्रेनी सेना ने उन्हें पकड़ लिया। रविवार रात को उनके परिवार को दो वीडियो संदेश मिले, एक अंग्रेजी में और दूसरा हिंदी में। कहा जाता है कि ये संदेश यूक्रेनी अधिकारियों द्वारा साझा किए गए थे। इन संदेशों में माजोथी ने अपनी स्थिति को बेहद दयनीय बताया। उन्होंने एक वीडियो में कहा कि फिलहाल मैं यूक्रेन में एक युद्ध अपराधी के तौर पर फंसा हुआ हूँ। मैं निराश हूँ और मुझे नहीं पता कि भविष्य में क्या होगा।

बलूचों ने मुनीर की सेना को पीटा एक धमाके में उड़ाए 13 सैनिक

इस्लामाबाद **(एजेंसी)**। बलूचिस्तान पोस्ट (टीबीपी) की रिपोर्ट के अनुसार, बलूच मुक्ति सेना (बीएलए) ने शनिवार को घोषणा की कि उसके लड़ाकों ने बलूचिस्तान के क्वेटा, कच्छी और केच जिलों में तीन अलग-अलग हमलों में पाकिस्तानी सेना के 13 सैनिकों को मार गिराया। बीएलए के प्रवक्ता जियांद बलूच ने कहा कि उनके लड़ाकों ने शुक्रवार को क्वेटा के बाहरी इलाके दघारी क्षेत्र में रिमोट-कंट्रोल्ड इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) से हमला किया। उन्होंने बताया कि विस्फोटक का निशाना वे सैन्यकर्मी थे जो रेलवे ट्रैक साफ करने के बाद इकट्ठा हुए थे, जिसके परिणामस्वरूप चार सैनिकों की मौके पर ही मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए।

शेरदिल स्टॉप के पास, दघारी क्रॉस के नजदीक एक विस्फोट हुआ, जिससे रेलवे ट्रैक साफ करने में लगी एक टीम प्रभावित हुई। शुरुआती रिपोर्टों में बताया गया कि विस्फोट में कई कर्मियों की मौत हुई या वे घायल हुए। बीएलए के अनुसार, उसी शाम कच्छी जिले के धादर के कलामुद्दीन क्षेत्र में एक दूसरा हमला हुआ। बयान में दावा किया गया कि बीएलए लड़ाकों ने सैनिकों पर हमला करने के लिए स्वचालित हथियारों और रॉकेटों का इस्तेमाल किया, जब वे अपनी चौकियों से निकल रहे थे, जिसके परिणामस्वरूप दुश्मन सेना में हताहत हुए।

शुक्रवार देर रात तीसरा हमला हुआ जब बलूचिस्तान मुक्ति मोर्चा (बीएलए) के लड़ाकों ने केच जिले के कुलाग इलाके में स्थित सामी में पाकिस्तानी सेना की एक चौकी को निशाना बनाया। समूह ने कई रॉकेट और स्वचालित हथियारों के इस्तेमाल की सूचना दी, जिससे दो पाकिस्तानी सैनिक शहीद हो गए और अन्य को भी हताहतों और संपत्ति का नुकसान हुआ।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेन्डर नं0 : पीआरवाईजे-सिग-039-2025-26 — दिनांक :- 19.12.2025

ई-निविदा सूचना

उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज मण्डल अल्पावधि निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूर संचार अभियन्ता/समन्वय/उत्तर मध्य रेलवे/प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदा निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक 05.01.2026 को 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है।

निविदा नं. : पीआरवाईजे-सिग-039-2025-26 (अल्पावधि निविदा सूचना)

कार्य का विवरण : (ए) डीएसए ग्राउंड, प्रयागराज में स्पोर्ट कॉम्प्लेक्स भवन के निर्माण, (बी) आईआरटीएमटीसी सूबेदारगंज में सभागार का उन्नयन, विजिटिंग फैकल्टी के लिए ट्रांजिट रूम का प्रावधान, महिला प्रशिक्षुओं के लिए 20 कमरों के साथ नए छात्रावास का प्रावधान, 04 नए एसी क्लासरूम का प्रावधान, (सी) डीआरएम कार्यालय परिसर प्रयागराज में केंद्रीकृत स्टोर की दूसरी मंजिल का निर्माण, के संबंध में दूरसंचार का कार्य।

अनुमानित मूल्य (₹) : 77,66,950/- | **बिड सिक्योरिटी (₹) :** 1,55,300/-

निविदा प्रपत्र का मूल्य (₹) : 0/- | **कार्य समापन की अवधि :** 12 माह

निविदा बन्द होने की तिथि : 05.01.2026

निविदा प्रपत्रों की उपलब्धता : निविदा प्रपत्र www.ireps.gov.in पर निविदा खुलने की तिथि से 21 दिन पहले उपलब्ध हो जायेंगे।

निविदा खुलने का समय, तिथि तथा स्थान : निविदा पूर्व निर्धारित तिथि को 12:30 बजे या उसके बाद ई-निविदा द्वारा मण्डल रेल प्रबंधक, प्रयागराज के कार्यालय में खोली जायेगी। अगर उस दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहे तो निविदा अगले दिन, कार्य दिवस पर खोली जायेगी। 2464/25 (AS)

@CPRONCR | North central railways | cproncrly | CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 | Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 | Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2012/52437 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा श्री बालाजी प्रिंटर्स टिकरी, कमला नगर, प्रयागराज से मुद्रित एवं 80-ए मेहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 से प्रकाशित एवं सम्पादित।

● सम्पादक विनीता शर्मा ● मोबाइल : 9415975437, 7007837917, 9415223357 ● E-Mail : editormantrabharat@gmail.com ● वैधानिक सूचनाः- मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र प्रयागराज न्यायालय होगा।